सुविचार
शिक्षा पद्धति किसी भी देश का भविष्य तय करती है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Taapsee Pannu Flaunts Her Hot Curves in...

Ranchi ● Sunday, 07 April 2024 ● Year : 02 ● Issue : 79 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

मिशन 2024 : लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे पर कर रहीं तीखे हमले

मुस्लिम लीग व वामपंथी कांग्रेस पर हावी : मोदी

मोदी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का कर रहे चीरहरण : सोनिया गांधी

यूपी के सहारनपुर की चुनावी सभा में भाग लेते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

AGENCY SAHARANPUR : शनिवार को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। कहा कि शक्ति उपासना हमारी स्वाभाविक आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा है, मगर 'इंडी' एलायंस के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। उन्हें शायद नहीं पता कि जिन लोगों ने शक्ति को नष्ट करने प्रयास किया है, उनका क्या हाल हुआ है वो इतिहास और पुराणों में अंकित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी हो चुके हैं। भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों पहले ही खत्म हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने सहारनपुर से बीजेपी उम्मीदवार राघव लखन पाल और कैराना से उम्मीदवार प्रदीप चौधरी के लिए जनता से रिकॉर्डतोड़ वोटों से जीत दिलाने की अपील की।

भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है : मोदी ने कहा कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशकों में ही भाजपा के साथ रिकॉर्ड संख्या में देशवासी जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है। हमारे लिए देश और देशहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण हमारे लिए चुनावी घोषणा नहीं बल्कि मिशन है। जबकि, कांग्रेस जितने साल सत्ता में रही उसने कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। इंडी एलांएंस कमीशन के लिए है और एनडीए व मोदी सरकार मिशन के लिए है।

- भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों पहले ही खत्म हो चुकी
- हमने खत्म किया तीन तलाक, सदियों तक मुस्लिम बेटियां देंगी आशीर्वाद
- दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म को फिर से रिलीज कर रहा 'इंडी' गठबंधन
- गरीब कल्याण हमारे लिए चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि मिशन

जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही खिलने वाला : पीएम

PUSHKAR : राजस्थान के अजमेर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शनिवार को नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग समझ लें, जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही खिलने वाला है। कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए रैली नहीं कर रही है, भ्रष्टाचारी को बचाने के लिए कर रही है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के नामदार इस कामदार को गाली देते हैं। गाली देना वे अपना अधिकार मानते हैं। ये कामदार ऐसा है कि हर गाली को पचा जाता है। मोदी ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह तभी होगा, जब देश की आधी आबादी की भागीदारी का विस्तार होगा। माताओं, बहनों और बेटियों का सुख, सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि मोदी की गारंटी है।

गाजियाबाद में पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ी भीड़

LUKHNOW : पीएम नरेंद्र मोदी का गाजियाबाद में रोड शो के दौरान स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। तय समय पर शाम 5.30 बजे पीएम मोदी ने गाजियाबाद में मालीवाड़ा से विशेष खुले वाहन में रोड शो किया। पीएम मोदी के साथी सीएम योगी आदित्यनाथ व गाजियाबाद से सांसद प्रत्याशी अतुल गर्ग भी थे। पीएम मोदी के रोड शो में मुस्लिम समुदाय भी दिखा। हाथों में कार्ड लिए मुस्लिम समुदाय के लोग रोड शो के रास्ते में खड़े थे। जगह-जगह रंगबिरंगी साड़ियों और सिर पर भगवा साफा बांधे महिलाएं नाच रही थीं। कार्यकर्ताओं की भीड़ पूरे रास्ते में जुटी हुई थी। लोग बीजेपी के झंडे लिए हुए मोदी-मोदी नारेबाजी कर रहे थे। गौरतलब है कि गाजियाबाद से इस बार बीजेपी ने लोकसभा सीट से अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाया है। इसके पहले 2014 और 2019 में वीके सिंह यहां से सांसद चुने गए थे।

AGENCY JAIPUR : शनिवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान की राजधानी जयपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरोपों का जवाब तीखे अंदाज में दिया। कहा कि देश से ऊपर कोई नहीं होता, लेकिन मोदी खुद को महान मानते हैं। वे लोकतांत्रिक मयादाओं का चीरहरण कर रहे हैं, पूरे तंत्र में डर बैठा रहे, यह तानाशाही है। ये देश चंद लोगों की जागीर नहीं है। हमारे पूर्वजों ने इसे खून से सींचा है। ये देश हमारे बच्चों का आंगन है। चारों ओर अंधकार का अन्याय बढ़ा है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम इसके खिलाफ लड़ेंगे और न्याय की रोशनी खोजेंगे। हमारा देश पिछले 10 सालों से ऐसी सरकार के हाथ में जिसने बेरोजगारी, आर्थिक संकट को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी सरकार ने जो-जो किया है वो हमारे सामने है। इसलिए यह समय हताशा से भरा हुआ है, लेकिन जान लीजिए हताशा के साथ उम्मीद का भी जन्म होता है। मुझे पूरा यकीन है कांग्रेस के हमारे साथी न्याय के दीपक को सीने की आग से जलाएंगे और हजारों की आंधियों से संभाल आगे बढ़ेंगे। इससे पहले जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में हो रही इस सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित पार्टी की टॉप लीडरशिप ने फिर से चुनावी घोषणा पत्र लांच किया। घोषणा पत्र की लांचिंग के बाद कांग्रेस के नेताओं ने मोदी पर जमकर निशाना साधा।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में घोषणा पत्र को लांच करते मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी व अन्य।

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित पार्टी की टॉप लीडरशिप ने फिर से चुनावी घोषणा पत्र लांच किया
- चंद लोगों की जागीर नहीं है हमारा भारत : सोनिया
- मोदी इस बार नया सॉन्ग और ड्रामा लाए हैं : खड़गे
- ये आपके बच्चों को खड़ा नहीं होने देंगे : प्रियंका गांधी
- कांग्रेस को गालियां देना, गांधी परिवार को कोसना मोदी का काम

खोखले संसार में रह रहे मोदी व भाजपा के अन्य नेता : प्रियंका

भाजपा के नेता और मोदी जी खोखले संसार में रह रहे हैं। गाजे बाजे में, शोहरत में, आपको केवल अच्छा-अच्छा दिखता है, बड़ी-बड़ी इवेंटबाजी दिखती है। ये सब सच्चाई छिपाने के लिए हैं। सीएम जेल में हैं। कहते हैं- भ्रष्टाचार पर वार है, लेकिन सब भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में शामिल कर रहे हैं। सारी पार्टियों को भ्रष्टाचारियों को न्योता देकर अपने साथ ले रहे हैं और उन पर कोई सवाल नहीं उठाता। हम न्याय की गारंटी दे रहे हैं, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे। हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र को बचाया है, नेताओं ने जान दी। इस चुनाव को आप अपने मुद्दों पर लड़वाएं, जो आपका अनुभव है वो ही सत्य है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि असलियत को पहचानने का समय आ गया है।

मोदी हमेशा लोगों को करते हैं भ्रमित : मल्लिकार्जुन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी जहां जाते हैं वहां नया झूठ बोलते हैं। उन्होंने जो गारंटियां दी वे अब तक पूरी नहीं हुई हैं। वे केवल गांधी परिवार को गालियां देने का काम करते हैं। मोदी हमेशा लोगों को भ्रमित करते हैं। आपने देश के लिए कुछ नहीं किया, फिर भी कहते रहते हैं कांग्रेस वाले कुछ नहीं किया, 70 सालों में कुछ नहीं किया। हम तो 55 साल का हिसाब दे रहे हैं। राजस्थान-जयपुर में या उसका हिसाब दे रहे हैं। आप दो न हिसाब, तुमने क्या किया। तुम में बोलने की ताकत नहीं है। बात उठी तो कांग्रेस को गालियां देना, बात करें तो गांधी परिवार को गालियां देना। राजस्थान में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए खड़गे बोले- एयरपोर्ट, आईआईटी और एम्स कांग्रेस लाई और मोदी जी कहते हैं देश का विकास हो रहा है। मैं देश के विकास के लिए काम कर रहा हूं। इस बार नया सॉन्ग और ड्रामा लाए हैं।

SHARE
सेंसेक्स	:	74,248.22
निफ्टी	:	22,513.70

SARAFA
सोना	:	6,695
चांदी	:	87.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

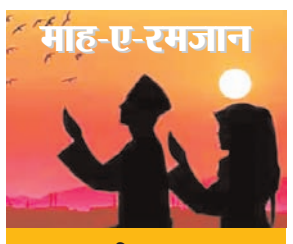

इफ्तार (शनिवार) : 06.11
सेहरी (रविवार) : 04.20

BRIEF NEWS

मध्य प्रदेश की तीन सीटों पर कांग्रेस ने उतारे उम्मीदवार

BHOPAL : लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने मध्यप्रदेश की शेष बची तीन संसदीय सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने ग्वालियर से पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, खंडवा से नरेन्द्र पटेल और मुरैना से पूर्व विधायक सत्यपाल सिकरवार को प्रत्याशी बनाया है। इन उम्मीदवारों की घोषणा के साथ प्रदेश की सभी 29 संसदीय सीटों पर प्रत्याशियों के लिहाज से स्थिति साफ हो चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने इससे पूर्व तीन सूचियां जारी की थी।

बीजापुर में मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

BIJAPUR : जिले के उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर डोलीगुट्टा के पहाड़ी-जंगल में शनिवार सुबह नक्सलियों के साथ सुरक्षा बल जवानों की मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं। जवानों ने मौके से एलएमजी और एके-47 सहित कई हथियार बरामद किए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। मुठभेड़ के बाद आसपास सघन सर्चिंग जारी है, जवानों के लौटने के बाद विस्तृत जानकारी मिलेगी।

कल्पना सोरेन ने संभाली 21 अप्रैल की महारैली की कमान

हेमंत ने बेहतर झारखंड का सपना देखा था लेकिन विरोधियों ने भेज दिया जेल : कल्पना

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में होने वाली महारैली की कमान संभाल ली है। 21 अप्रैल को प्रभात तारा मैदान में होने वाली महारैली से पहले कल्पना मुर्मू सोरेन ने हरमू स्थित झामुमो के कार्यालय में पार्टी के जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की। कार्यकताओं के विचार भी जाने। जिलाध्यक्षों की बैठक के बाद कल्पना मुर्मू सोरेन ने झामुमो के सैकड़ों कार्यकताओं से भी सीधा संवाद किया। कल्पना सोरेन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हेमंत सोरेन ने झारखंड को बेहतर झारखंड बनाने का सपना देखा था। उनको गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया और उनके सपने को बाधित किया गया। झारखंड में संवैधानिक पद पर बैठे हेमंत जी को गिरफ्तार किया गया, तो दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके विरोध में सभी एकजुट हों और इंडिया को मजबूती दें।

उलगुलान महारैली में जुटेंगे कई नेता

उलगुलान महारैली आगामी 21 अप्रैल को राजधानी रांची के प्रभात तारा मैदान में होगी। शुक्रवार को सीएम आवास में हुई झामुमो विधायक दल की बैठक में इस पर फैसला लिया गया है। जानकारी के मुताबिक मुंबई और दिल्ली में हुए इंडिया ब्लॉक की महारैली की तर्ज पर केंद्र सरकार के खिलाफ महारैली आयोजित की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस महारैली में देश भर के इंडिया ब्लॉक के बड़े नेताओं को शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से संवाद के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए उलगुलान महारैली की जानकारी दी। वहीं कार्यकताओं के उत्साह देखते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के उत्साह देख कर वह भी उत्साहित हैं।

पत्रकारों से बातचीत करतीं कल्पना सोरेन।

झारखंड के साथ केंद्र का सौतेला व्यवहार

संवाद कार्यक्रम के बाद कल्पना सोरेन ने कहा कि हमने कार्यकताओं से उलगुलान रैली को लेकर बात की। हमने उनसे रैली में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने का अनुरोध किया। कहा कि हमारे हेमंत सोरेन का राज्य को लेकर जो सपना रहा था, उसे बीच में बाधित किया गया। उसे हम उलगुलान रैली के माध्यम से पूरे राज्य सहित देश को बताएंगे कि केंद्र सरकार किस तरीके से झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। संवैधानिक पद पर बैठे दो सीएम जेल में डाला। ऐसे में यह महज रैली नहीं बल्कि उलगुलान है। इसे कैसे सफल बनाया जाए, इसपर बात की।

बिहार-झारखंड समेत 12 राज्यों में हीट वेव

NEW DELHI : देश के 12 राज्यों में हीट वेव यानी लू का असर शुरू हो चुका है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तापमान 43 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में यहां गर्मी और बढ़ेगी। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, केरल और सिक्किम में बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में बर्फबारी का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के 33 जिलों में ओले के साथ बारिश की संभावना बन रही है। इस दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रति-घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग ने बिहार के 24 जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। यहां स्कूलों की टाइमिंग बदलने या फिर समय से पहले छुट्टी देने का निर्देश दिए गए हैं। स्काइमेट की रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य प्रदेश पर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन तैयार होता दिख रहा है।

हॉर्स ट्रेडिंग मामले में क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार

डीजी अनुराग और अजय पर अब नहीं चलेगा केस

CRIME REPORTER RANCHI : राज्यसभा चुनाव-2016 हॉर्स ट्रेडिंग मामले में डीजी अनुराग गुप्ता और रघुवर दास के प्रेस सलाहकार रहे अजय कुमार पर अब केस नहीं चलेगा। जगन्नाथपुर थाने में दर्ज मामले में दायर क्लोजर रिपोर्ट पर एसीबी की अदालत में शिकायतकर्ता गृह विभाग के अपर सचिव अविनाश चंद्र ठाकुर ने शनिवार को अपना पक्ष रखा। उन्होंने पुलिस के अनुसंधान को सही बताया। साथ ही जगन्नाथपुर पुलिस द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट पर आपत्ति नहीं जतायी। इसके बाद एसीबी की विशेष अदालत ने पुलिस के क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। इस मामले की जांच कर रहे आईओ ने जनवरी 2024 में क्लोजर रिपोर्ट दायर कर इस केस को बंद करने का आग्रह कोर्ट से किया था। इसको लेकर अदालत ने शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया था और अपना पक्ष रखने को कहा था।

डीजी अनुराग गुप्ता

- क्लोजर रिपोर्ट दायर कर कोर्ट से किया था केस को बंद करने का आग्रह
- अनुराग गुप्ता को विभागीय जांच में मिली थी क्लीन चिट
- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर दर्ज हुई थी प्राथमिकी

एनआईए ने ही महिलाओं पर किया हमला : ममता

शुक्रवार रात एजेंसी पर हुआ था अटैक

AGENCY KOLKATA : पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर ईस्ट के भूपतिनगर में शुक्रवार 5 अप्रैल की रात एनआईए की टीम पर हमला हुआ था। इस दौरान एक अफसर को चोटें भी आई हैं। भूपतिनगर में एनआईए टीम के सामने लोग लाठी-डंडे लेकर अड़ गए। एनआईए की टीम ने जब आरोपियों को ले जाने की कोशिश की, तो लोगों ने उनका विरोध किया। लोगों ने एनआईए की गाड़ी पर पथराव किया। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि एनआईए के अफसरों पर हमला नहीं हुआ है, बल्कि उन्होंने ही महिलाओं पर

हमला किया। एनआईए अफसरों ने रात में रेड क्यों की? क्या उनके पास पुलिस की परमिशन थी? लोगों ने वैसे ही बर्ताव किया, जैसा रात में किसी भी अनजान व्यक्ति के आने पर किया जाता। दक्षिण दिनाजपुर में ममता ने कहा कि एनआईए इलेक्शन से पहले लोगों को गिरफ्तार क्यों कर रही है? क्या भाजपा को लगता है कि वे हर बूथ एजेंट को गिरफ्तार कर लेंगे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पर 1.25 लाख का जुर्माना

RANCHI : याचिका में बिना त्रुटि दूर किए हाई कोर्ट में इस मामले को सुनवाई के लिए मेंशन करना केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को भारी पड़ गया। कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा द्वारा 11 अप्रैल 2023 को रांची में सचिवालय मार्च के दौरान धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह करने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान पाया कि याचिका में त्रुटि अब तक दूर नहीं की गई है। इसके बाद भी मामले को कोर्ट में सुनवाई के लिए मेंशन किया गया, बाद में मामले की सुनवाई भी हाई कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने याचिका में त्रुटि दूर किए बिना इस याचिका को कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिए मेंशन करने को गंभीरता से लेते हुए अर्जुन मुंडा पर 1.25 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया। कोर्ट ने जुमार्ना की इस राशि को एडवोकेट क्लर्क एसोसिएशन, झारखंड हाई कोर्ट के पास जमा करने का निर्देश दिया है।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा- केंद्र सरकार के अधिकार में हस्तक्षेप

झारखंड वित्त विधेयक को चौथी बार लौटाया

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने झारखंड विधानसभा द्वारा भेजे गये झारखंड वित्त विधेयक को एक बार फिर आपत्ति के साथ लौटा दिया है। राज्यपाल ने चौथी बार विधेयक वापस किया है। इस बार राज्यपाल ने कहा है कि वित्त विधेयक में जिस तरह के संशोधन व प्रावधान रखे गये है। यह पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधिकार में हस्तक्षेप है। राज्य सरकार व विधानसभा ने जो प्रावधान व संशोधन किये हैं, यह उनके अधिकार क्षेत्र का नहीं है। प्रावधान रखने या संशोधन करने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है। राज्यपाल ने मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर आपत्ति जतायी है।

- राज्यपाल ने तीन बिंदुओं पर आपत्ति जताई

गवर्नर ने अटॉर्नी जनरल से भी ली थी राय

विधेयक लौटाने से पूर्व राज्यपाल ने अटॉर्नी जनरल से राय भी ली थी। राज्यपाल ने विधेयक की धारा (26) में दिये गये प्रावधान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कस्टम बांड केंद्रीय सूची में शामिल है। इसमें किसी तरह का बदलाव करना राज्य सरकार के अधिकार के बाहर है। इसी प्रकार राज्यपाल ने विधेयक की धारा (30) में दिये प्रावधान के बारे में कहा है कि यह देश के अटॉर्नी जनरल और इंडियन बार एक्ट से प्रभावित है। यह मामला अटॉर्नी जनरल, एडवोकेट तथा इंडिया बार काउंसिल से जुड़ा हुआ है। इससे जुड़े किसी भी प्रावधान को राज्य सरकार नहीं बदल सकती है। इसके अलावा राज्यपाल ने विधेयक की धारा (30) पर भी आपत्ति जतायी है। इसमें दिये प्रावधान को उन्होंने खारिज करते हुए कहा है कि यह भी केंद्र सरकार के अधिकार में हस्तक्षेप है। भारतीय मुद्रांक अधिनियम 1899 तथा बिहार मनोरंजन ड्यूटी, कोर्ट फीस तथा मुद्रांक अधिनियम 1948 (झारखंड में यथा लागू) में संशोधन के लिए विधेयक तैयार किया गया।

क्या प्रावधान रखे गये हैं : झारखंड विधानसभा द्वारा तैयार झारखंड वित्त विधेयक 2022 में धारा (26) में सीमा शुल्क बंध पत्र जहां पांच हजार रुपये से अधिक नहीं हो, इसके लिए स्टांप शुल्क 100 रुपये रखा गया है। इसी प्रकार पांच हजार रुपये से अधिक लेकिन 10 हजार रुपये से अधिक नहीं होने पर स्टांप शुल्क 200 रुपये रखा गया है। धारा (30) में शुल्क 1000 रुपये निर्धारित हैं। जबकि धारा 50 में नोटरी पब्लिक द्वारा लिखित रूप से की गयी घोषणा के लिए शुल्क 50 रुपये निर्धारित किया गया है।

कला-साहित्य

कविता

डॉ. कल्याणी कबीर

मन और मशीन

उम्र और व्यस्तता के बीच ये जीवन
और इसकी सूक्ष्म दृष्टि
एक पड़ाव पर आकर
कुछ ऐसी हो जाती है कि,
हम महसूस नहीं कर पाते
फूल की सुगंध,
झरने का सौंदर्य
पहाड़ों की श्रृंखला
और हरित दूब का कोमल स्पर्श।
ये भोर, दुपहरी और सांझ
बस एक समय चक्र की तरह
गुजरते रहते हैं आंखों के सामने
बेस्वाद अहसास बनकर,
भूगोल के किसी पाठ की तरह।

बोध होता है तो बस इतना कि
ये सब अंग हैं विशाल सृष्टि के,
विराट प्रकृति के,

मन का मशीन हो जाना
इसे ही कहते हैं शायद .....

अरुण सज्जन

विपत्ति जब भी आती है

विपत्ति जब भी आती है
बुजदिल को दहलाती है।
योद्धा कभी न डरते हैं,
राह नई नित गढ़ते हैं।

साहस राह दिखाता है
विश्वास दीप जलाता है
नूतन पथ गढ़ देता है।
कांटों पर चल देता है।

लक्ष्य दूर का रखता है
तूफां से ना हिलता है,
मंजिल मिलती है उनको
विजयी रुप दिखता सबको।

नीति नीयत अच्छी जिनकी
कृपादृष्टि उनपर होती,
जिनका कर्म है अविराम
फिर सफलता है अभिराम।

राह कभी ना रुकना तुम
बाधा से ना डरना तुम,
रूकना, मरना एक सखे
चलता है वह, नेक दिखे।

जग तो बोला करता है
नित दिन तोला करता है,
उन बातों का मतलब क्या?
तेरा फिर है करतब क्या?

सबका सुनना, कर अपना
बाधा से ना तू डरना,
अंदर तेरे रसच' रसना!
वह जो कहता सो करना !

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

हिमालय के हृदय में बसा खूबसूरत 'चौकोरी'

घुमक्कड़ की पाती चौकोरी के बारे में बहुत से कम लोग जानते हैं। लेकिन आपको बता दूं हिमालय की अद्भुत पहाड़ियों और वनस्पतियों से घिरी यह जगह कुमाऊं की सबसे बेहतरीन जगहों में आती है और समुद्र तल से ठीकठाक ऊंचाई पर होने के कारण इस जगह से नंदा देवी, नंदा कोट और पंचकुला जैसी खूबसूरत पहाड़ियां दिखाई देती है। चौकोरी में आप खूबसूरत हरे-भरे बागों की सैर करने के साथ चाय के बागान भी देख सकते हैं। कहा जाता है कि इस जगह पर चाय के बागानों की शुरूआत औपनिवेशिक काल के दौरान अंग्रेजों ने की थी। तभी से यहां पर चाय का उत्पादन होता है। चौकोरी में ज्यादातर लोग शांति और सकून के साथ समय व्यतीत करने के लिए आते हैं और यहां सूर्योदय का दृश्य देखने लायक होता है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

अपनी दिन-प्रतिदिन की व्यस्त जिन्दगी से दूर घूमने जाने के लिए यदि किसी ऐसी जगह की तलाश हो जो शांत और खूबसूरत हो, जहां से हिमालय की बहुत सारी ऊंची चोटियां दिखाई देती हो तो चौकोरी हिल स्टेशन आपके लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। पिथौरागढ़ जिले में स्थित चौकोरी उन गिनी चुनी जगहों में आती है जिसे अपने सुखद वातावरण, शांति और प्राकृतिक सुन्दरता के लिए जाना जाता है। यह एक ऐसी जगह है जो अपने यहां आने वाले पर्यटकों के मन और दिल को तरोताजा कर देती है। इस जगह पर आकर तरह तरह के पर्यटन स्थलों को देखने के साथ साथ पंचचूली की चोटियों के निर्बाध दृश्यों को देखा जा सकता है। खूबसूरत चाय के बागानों की यात्रा किया जा सकता है। हरे-भरे घास के मैदानों में घुमा जा सकता है। साथ ही ट्रेकिंग, कैम्पिंग और सोलो ट्रैवलिंग जैसी गतिविधियों के लिए भी यह एक परिपूर्ण जगह है। यह बात मुझे इस जगह पर पहुंचने के बाद पता चली। मैंने इस जगह पर खूब एंजोय किया और यह छोटी सी यात्रा मेरी सबसे यादगार यात्रा बन गई।

चौकोरी के बारे में बहुत से कम लोग जानते हैं। लेकिन आपको बता दूं हिमालय की अद्भुत पहाड़ियों और वनस्पतियों से घिरी यह जगह कुमाऊं की सबसे बेहतरीन जगहों में आती है और समुद्र तल से ठीकठाक ऊंचाई पर होने के कारण इस जगह से नंदा देवी, नंदा कोट और पंचकुला जैसी खूबसूरत पहाड़ियां दिखाई देती है। चौकोरी में आप खूबसूरत हरे-भरे बागों की सैर करने के साथ चाय के बागान भी देख सकते हैं। कहा जाता है कि इस जगह पर चाय के बागानों की शुरूआत औपनिवेशिक काल के दौरान अंग्रेजों ने की थी। तभी से यहां पर चाय का उत्पादन होता है। चौकोरी में ज्यादातर लोग शांति और सकून के साथ समय व्यतीत करने के लिए आते हैं और यहां सूर्योदय का दृश्य देखने लायक होता है। सूर्य की किरणें जब हिमालय की बफीर्ली सफेद पहाड़ियों पर पड़ती हैं तो पूरा पहाड़ सोने के समान चमकने लगता है जिसका नजारा देखते ही बनता है। मैंने इस जगह पर आकर सबसे पहले नंदा देवी, नंदा कोट और पंचकुला की चोटियों को जी भर के देखा। चाय के बागान घुमा और इस जगह की शांति को महसूस किया।

आपको बता दूं कि चौकोरी अपने शांतिपूर्ण वातावरण के साथ साथ अपनी भौगोलिक संरचना के लिए भी जाना जाता है जो इसे एक शानदार टूरिस्ट स्पॉट बनाता है। इस जगह पर आकर आप कई जगहों पर घूम और कई तरह की रोमांचक गतिविधियों को एन्जॉय कर सकते हैं। इस जगह पर नेचर वॉक, फोटोग्राफी और गांव की यात्रा का अच्छा और खुला विकल्प रहता है। मैने इस जगह पर कुछ लोगों को देखा भी जो फोटोग्राफी और विडीओग्राफी कर रहे थे। जैसा की मैंने आपको बताया कि चौकोरी एक हिल स्टेशन है जो हिमालय पहाड़ियों के साथ हरी-भरी वनस्पतियों से घिरा है, इसलिए आप यहां प्रकृति के बीच सैर करने का लुत्फ उठा सकते हैं। यह आपके लिए एक शानदार अनुभव हो सकता है। इस अनुभव को मैंने खुद जिया तो लगा कि यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। इस जगह पर सिर्फ. घूमने ही नहीं बल्कि कुछ समय शांति और सकून के साथ बिताने के लिए भी आ सकते हैं। यह एक परफेक्ट फैमिली डेस्टिनेशन है।

पहाड़ पर फोटोग्राफी काम अपना एक अलहदा ही मजा है और जगह चौकोरी जैसी हो तो फिर क्या ही कहना। मैंने भी फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में अपना हाथ आजमाया और पाया कि यह फोटोग्राफी के लिहाज से सचमुच एक बेहद ही खूबसूरत जगह है। इस जगह पर मेरी तरह कोई भी नंदा देवी, नंदा कोट, चौखंबा और पंचकुला पहाड़ियां को कैमरे में उतारकर अपने फोटोग्राफी के शौक को भी पूरा कर सकता है। फोटोग्राफी के बाद अब बारी थी गांव देखने की। गांव भ्रमण का सीधा सीधा मतलब होता है लोक और जीवन को जानना। चौकोरी गांव का भ्रमण करके आप कुमाऊंनी कला, संस्कृति और परंपराओं को अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अगर पहाड़ी जीवन और संस्कृति को करीब से देखना और महसूस करना चाहते हैं तो यहां के आसपास के ग्रामीण इलाकों में जरूर जाएं। मुझे इस जगह का खानपान और पहनावा बेहद पसंद आया। मैंने कुछ स्थानीय महिलाओं को गीत गाते भी सुना जो काफी मधुर था।

चौकोरी में आप प्राकृतिक स्थलों की सैर के अलावा आसपास के धार्मिक स्थलों के दर्शन जरूर करें। आप यहां कपिलेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। यह मंदिर पिथौरागढ़ के सौर घाटी में स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और 10 मीटर अंधेरी गुफा के अंदर स्थित है। मुझे शुरू में तो बहुत ही रोमांचक लगा इस जगह पर पहुँचना लेकिन गुफा में जैसे ही प्रवेश किया अंधेरों ने मानोकि जकड़ लिया हो। पूरा दिन घूमने के पश्चात थकान भी देह पर हावी होने लगी था। मैंने दर्शन किया और लौटने के बारे में सोच ही रहा था कि एक सज्जन से मुलाकात हो गई। उन्होंने इस जगह के बारे में मुझे काफी कुछ बताया। उन्होंने बताया कि गंगोलीहाट स्थित महाकाली मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। यह मां कालिका का एक प्रसिद्ध मंदिर है जो देवदार के जंगलों के मध्य स्थित है। धार्मिक स्थलों की श्रृंखला में आप यहां नाग मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं।

इन सब के अलावा यहां आसपास के इलाको में और भी प्रसिद्ध मंदिर है जहां के दर्शन आप चौकोरी यात्रा के दौरान कर सकते हैं। पाताल भुवनेश्वरी, अजुर्नेश्वर शिव मंदिर, कलिनाग, बासुकीनाग, फनी नाग, पिंगला नाग, मोस्टमानु मंदिर, हरिनाग मंदिर, घुंसेरा देवी मंदिर, चिनेश्वर जलप्रपात जैसी जगहों पर भी जा सकते हैं। मैंने उनकी बातों में हामी भरी और इस जानकारी के लिए शुक्रिया कहा। उस सज्जन की बताई जगहों पर कुछ और दिनों तक घुमा और फिर दिल्ली अपने घर लौट आया। लेकिन यह यात्रा आज भी मेरी स्मृतियों में है। मेरा मानना है कि इस जगह पर एक ना एक बार हर किसी को जाना चाहिए। इस जगह पर पहुंचने के लिए परिवहन के सभी तरह के साधन मौजूद हैं। यहां का नजदीकी हवाईअड्डा पिथौरागढ़ का नैनी सैनी और देहरादून स्थित जॉली ग्रांट एयरपोर्ट है। रेल मार्ग के लिए आप काठगोदाम रेलवे स्टेशन का सहारा ले सकते हैं। सड़क मार्गों से आना चाहें तो चौकोरी, राज्य के कई बड़े शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

मानव सभ्यता की सहचर घरेलू गौरैया

जरूरत है इसे तथाकथित विकास और आधुनिकता से बचाया जाए

कुशाग्र राजेन्द्र
एसोसियट प्रोफेसर, एमेटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम, हरियाणा

अभी हाल ही में विश्व समुदाय ने गौरैया को समर्पित एक पूरा दिन बिताया, ताकि चहचहाने वाली मानव संगी नन्ही जान को संरक्षित किया जा सके, ताकि उसकी चहचहाट हमेशा हमारे आस-पास बनी रहे। पिछले दशक में गोरैया की घटती संख्या ने आमजन का ध्यान आकर्षित किया और साल 2010 से हर साल 20 मार्च को गौरैया दिवस मनाया जाने लगा। गौरैया शुरू से ही मानव सभ्यता के इर्द-गिर्द रची-बसी चिड़िया है, तभी तो मानव के विस्तार के साथ ही यह सबसे ज्यादा संख्या में पायी जाने वाली पक्षियों में एक है, जो अंटार्कटिका,के सिवा हर महाद्वीप में पायी जाती है। भारतीय संस्कृति में गौरैया को शुभ, साहस और खुले सोच का प्रतीक माना गया है। ताउम्र पक्षियों के संरक्षण के लिए काम करने वाले सालीम अली ने अपनी जीवनी ह्यएक गौरैया का गिरनाह्न नाम से ही लिखा। गौरैया को बिहार और दिल्ली में राजकीय पक्षी का दर्जा प्राप्त है, हालांकि दिल्ली में राजकीय पक्षी का दर्जा पिछले दशक गौरैया की संख्या में लगातार हो रही गिरावट के मद्देनजर जागरूकता बढाने के उद्देश्य से दिया गया।

अक्सर गौरैया को मानव बस्तियों के आस-पास ही फलते-फूलते देखा जाता है, चाहे वह शहरी क्षेत्र हो, जंगल हो, या ग्रामीण बस्तियां। इतनी ज्यादा तादाद और लगभग पृथ्वी के हर कोने में पायी जाने वाली गोरैया की कहानी भी मानव विकास के जैसी ही काफी रोचक है। गौरैया के विकास के बारे में हाल तक जानकारी ही नहीं थी, शायद यह इतनी आम चिड़िया है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं गया। मूल रूप से गौरैया मध्य-पूर्व की पंछी है, जहां से यह मानव बस्तियों के फैलाव के साथ-साथ पूरे एशिया और यूरोप में फैलती चली गयी। उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में यूरोपियन औपनिवेशिक प्रसार के साथ अमेरिका (साल 1852 में), ऑस्ट्रेलिया (साल 1963 में) और विषुवतीय द्वीपों (साल 1859 न्यूजीलैंड में) में गोरैया को आबाद किया गया। एक तरह से कहे तो गौरैया का वैश्विक प्रसार ब्रिटेन के फैले उपनिवेश के मानचित्र सरीखा ही है।

घरेलू गौरैया स्पष्ट रूप से मानव आधारित पारिस्थितिकी में ही रहती है। ऐसा भी देखा गया है कि गोरैया छोड़ दी गई बस्तियों में स्थानीय रूप से विलुप्त हो जाती है। वहीं, घरेलू गौरैया की एक संबंधी प्रवासी बैक्ट्रियानस गौरैया है। इसका बाह्य रूप-रंग घरेलू गौरैया की तरह ही है, लेकिन वह पूर्णतया जंगली है, जो मानव संपर्क से दूर नदी किनारे, घास के मैदानों और झाड़ियों में पायी जाती है। एक तरफ मुख्य रूप से घरेलू गौरैया जो फसलों के बड़े-बड़े अनाज खाती है, तो दूसरी तरफ बैक्ट्रियानस गौरैया जंगली घास के छोटे-छोटे बीज खाती हैं। गौरैया के विकास को समझने के लिए रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन में छपे एक शोध के मुताबिक घरेलू और बैक्ट्रियानस गौरैया में असामान्य रूप से सिर और चोंच के आकार में बदलाव के साथ काबोर्हाइड्रेट पचाने वाली जीन का फर्क पाया गया, जिसके आधार पर घरेलू गौरैया और मानव विकास की कड़ी को कृषि के विकास साथ जोड़ कर समझा जा सकता है।

कृषि के विकास के साथ मानव आधारित एक ऐसी पारिस्थितिकी तंत्र का विकास हुआ, जिसमें आसानी से खाने की उपलब्धता से अनेक जानवरों जैसे चूहा, जूं और गौरैया को आश्रय मिलता रहा। ऐसी प्रजातियां संभवतः मानव आवास के आस-पास रहते हुए एक मानव-अवलंबी आश्रित संबंध में समायोजित हो गईं, जो पालतू प्रजातियों से भिन्न होती हैं। बैक्ट्रियानस गौरैया की एक शाखा कृषि विकास के साथ मानव बस्तियों के आस-पास रहने लगी, जहां उन्हें आसानी से जंगली घास के छोटे-छोटे बीज के मुकाबले अनाज के बड़े-बड़े दाने सालो भर मिलने लगे, जिसे खाने और पचाने के लिए जंगली गौरैया में नए तरह का अनुकूलन हुआ, जो कि बैक्ट्रियानस गौरैया से इतर घरेलू गौरैया में पाए गए दो उपरोक्त जीन के रूप में सामने आई। अनाज के मजबूत बीज के आवरण को तोड़ने के लिए घरेलू गौरैया में मजबूत चोंच और मस्तिष्क का विकास हुआ। वही घरेलू गौरैया में काबोर्हाइड्रेट से भरे अनाज के बीज को पचाने के लिए भी क्षमता का ठीक वैसे ही विकास हुआ जैसे मनुष्य और कुत्ते में हुआ, जो घरेलू गौरैया की ही तरह मनुष्य आधारित पारिस्थितिकी में कृषि के विकास के साथ हुए खान-पान में बदलाव के लिए अनुकूलित हुआ।

घरेलू गौरैया के डीएनए और जीवाश्म अध्ययन से स्पष्ट है कि मध्य-पूर्व में कृषि के विकास के साथ ही गौरैया के एक जंगली पूर्वज से घरेलू गौरैया का क्रमिक विकास हुआ। जैसे-जैसे एशिया और यूरोप में कृषि और मानव विस्तार हुए घरेलू गौरैया भी नए-नए क्षेत्रों में बसती चली गयी। इस प्रकार गौरैया शायद पिछले दस हजार सालों से हमारे मानव-संस्कृति और सभ्यता की सहचरी बनी रही। पर पिछले कुछ दशक में घरेलू गौरैया संकट में है और इसकी शुरूआत पिछली सदी के मध्य में चीन से माना जा सकता है। घरेलू गौरैया खान-पान के लिए खेत और घर के अनाज पर निर्भर होती हैं, जिसे अक्सर गौरैया के पारिस्थितिकी में योगदान को दरकिनार कर परजीवी समझ लिया जाता है। माओ शासित चीन के 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' अभियान के तहत 1958 में खाद्य सुरक्षा और फसलों की बबार्दी रोकने के नाम पर चूहा, मक्खी, मच्छर और गौरैया के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया गया, जिसमें गौरैया को अत्यंत खतरनाक जीव के रूप में पेश किया गया। माओ की जीवनी ह्यमाओ ए लाइफ' के मुताबिक, ₹माओ का निष्कर्ष था कि एक गौरैया एक साल में चार किलो तक अनाज खा जाती है, इसलिए चीनी नागरिकों का पेट भरने के लिए गौरैया का मारा जाना बहुत जरूरी है।₹ इस प्रकार जन-सहभागिता से चीन की लगभग सारी गौरैया मार डाली गई, जिसकी परिणति 'ग्रेट चाइनीज फेमीन' (1959-1961) से हुई, जिसमें कम से कम पांच करोड़ लोग भूख से मर गए। जल्दी ही माओ ने भूल सुधार की और सोवियत संघ से ढाई लाख गौरैयों की खेप मंगवाई, ताकि नन्हीं गौरैया टिड्डियों को बड़ा होने से पहले खाकर फसलों को बचाए।

चीन की महान मूर्खता के इतर आज गौरैया मानव रहवास और जीवन-यापन में आ रहे आमूलचूल बदलाव, आधुनिक खेती, प्रकाश, ध्वनि, जल, वायु प्रदूषण और शायद मोबाइल टावर के विकिरण के चौतरफा संकट की शिकार है। हजारों सालों में गौरैया मानव बस्ती के आसपास रहने की इस कदर आदि हो चुकी है कि मानव रिहाइश के इतर गुजारा संभव ही नहीं है। हमेशा से ही गौरैया हमारी दिनचर्या के बेहद करीब, एक आत्मीय उपस्थिति जैसी रही है। बेतरतीब शहरीकरण, अंध-औद्योगीकरण और संचार क्रांति के इस पागल दौर में गौरैया अब बहुत कम ही दिखती है, कराची, लाहौर, दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में तो बिल्कुल ना के बराबर। छोटे कस्बों और गांवों में जब कहीं दिखती है तो अपनी चहचहाहट से एक प्यारा-सा एक संगीत छोड़ जाती है। गौरैया ने हमारी संस्कृति को समृद्ध किया बदले में हमने उसके जीव विज्ञान और उसके विकास क्रम को ही बदल दिया, ऐसे में जरुरत है कि मानव विकास की सबसे नजदीक की लाभदायक सहचरी रही गौरैया को इस अंधविकास और आधुनिक जीवन शैली की भेंट चढ़ने से बचाया जाए।

BRIEF NEWS

पूर्व जिप सदस्य हकीम अंसारी ने किया विद्यालय का निरीक्षण

RANCHI : कांके प्रखंड के ऊरुगुट्टू स्थित काटमकुली रोड में ऑल फ्लैश इंटरनेशनल स्कुल के चेयरमैन सह पूर्व जीप सदस्य हकीम अंसारी ने शनिवार को विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय और उसमें पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की समस्या को जाना। मौके पर विद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी जांच की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जल्द ही विद्यालय में छत्रावास की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि दूर दराज के छात्र भी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में कम बजट पर अच्छा शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराना उनका लक्ष्य है ताकि गरीब के बच्चे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं और कर्मचारियों के बीच ईद त्यौहार का उपहार दे कर सभी को ईद की बधाई दी।

मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 16 को

RANCHI : अपर न्यायायुक्त पीके शर्मा की अदालत में शनिवार को आयकर रिटर्न नहीं भरने के एक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के भाई राजेश कोड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई की तिथि 16 अप्रैल निर्धारित की है। राजेश कोड़ा की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि राजेश कोड़ा पर आयकर रिटर्न नहीं भरने का आरोप है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की शिकायत के अनुसार राजेश कोड़ा ने वर्ष 2004 से 2010 तक आयकर रिटर्न नहीं भरा है।

लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की हुई बैठक

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में शनिवार को सभी लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी, लोकसभा उम्मीदवार, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रवक्ता की बैठक प्रेस क्लब सभागार में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि आने वाले चुनाव में हमारी पहली लड़ाई संविधान बचाने के लिए है, तो दूसरी लड़ाई लोगों के स्वतंत्रता के अधिकार को बचाने के लिए है। लोग इस देश में अपनी मर्जी से कैसे रहे, क्या खाएं, क्या पहने, क्या बोलें इसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा उम्मीदवारों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक संसदीय स्तर पर एक केंद्रीय चुनाव कार्यालय खोलना है, जो 24 घंटे सातों दिन खुला रहेगा। कांग्रेस के मेनिफेस्टो का अनुसरण करना है। राहुल गांधी के जरिये जनता को दिए गए वचन का अनुसरण करना है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

दोहरे मर्डर मामले में पूर्व एमएलए पौलुस सुरीन व नक्सली जेठा कच्छप दोषी करार

घटना 2013 की, अदालत 10 अप्रैल को सजा के बिंदुओं पर करेगी सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने शनिवार को दो लोगों की हत्या मामले में पूर्व तोरपा विधायक पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को अदालत ने दोषी करार दिया है। पौलुस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं।

फैसले के दौरान नक्सली जेठा कच्छप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से गोड्डा जेल से कोर्ट के समक्ष उपस्थित था, जबकि पौलूस सुरीन कोर्ट में सशरीर उपस्थित थे। अदालत ने इनकी सजा के बिंदु पर 10 अप्रैल को सुनवाई करेगी। साथ ही अदालत ने मामले की ट्रायल फेस कर रहे तीन महिला और

कृष्णा महतो को साक्ष्य के अभाव में बरी किया है।

घटना खूंटी के तोरपा में साल 2013 की है। पुलिस मुखबिर के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की हत्या की गई थी। मामले में पौलूस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप कृष्णा महतो और 3 महिला सहित छह आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे। इसी मामले में पीएफएलआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी ट्रायल फेस कर रहे हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से 12 गवाह पेश किए गए थे। जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया।

रेमडेसिविर दवा के कालाबाजारी मामले में दो आरोपियों की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज

RANCHI : रेमडेसिविर दवा की कालाबाजारी मामले में मुख्य आरोपी राजीव कुमार सिंह और मनीष कुमार सिन्हा की डिस्चार्ज पिटीशन को साइबर क्राइम एंड ड्रग कॉस्टेमिक मामले के विशेष न्यायाधीश मनीष रंजन की अदालत ने शनिवार को खारिज कर दी। इससे पूर्व अदालत ने दोनों की पिटीशन पर सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में अब दोनों आरोपितों पर आरोप गठन किया जाएगा। इसके लिए अदालत ने 23 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। राजीव कुमार सिंह ने पिछले साल 19 मई को और मनीष सिन्हा ने 30 जून को मामले में अपने आप को निर्दोष बताते हुए डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की थी। कोरोना काल में कालाबाजारी को लेकर कोतवाली थाना में कांड संख्या 107/21 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कोतवाली पुलिस ने राजीव सिंह को रेमडेसिविर दवा की रांची में कालाबाजारी के आरोप में एक मई 2021 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जहां करीब छह महीने सजा काटने के बाद हाई कोर्ट से दोनों को जमानत मिली थी।

रांची में पोलिटेकनिक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा लागू

RANCHI : झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की ओर से रांची में पोलिटेकनिक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा सात अप्रैल को आयोजित होगा। परीक्षा पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न एक बजे तक नौ परीक्षा केन्द्रों पर होना है। इनमें विवेकानन्द विद्या मंदिर, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मनन विद्या मंदिर, संत जॉन हाई स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, संत पॉल कॉलेज, संत अलोईस इंटरमिडिएट कॉलेज, संत अन्ना इंटरमिडिएट कॉलेज और संत अन्ना गर्ल्स हाई स्कूल शामिल है। इन परीक्षा केन्द्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने और विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी और वरीय पुलिस अधीक्षक के जरिये पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा में शामिल छात्र, उनके अभिभावक और असामाजिक तत्व के जरिये परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा की आशंका को देखते हुए एसडीओ सदर उत्कर्ष कुमार ने धारा-144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गयी है।

जमीन मारो मोर्चा बन चुका है झामुमो : अजय

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पार्टी झामुमो पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों ने बड़ी उम्मीद के साथ विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन को चुना था। सोचा था कि वे उनकी और उनकी जमीन की रक्षा करेंगे। पर आज स्थिति यह है कि झामुमो जमीन मारो मोर्चा बन चुका है। आदिवासियों के हितों की रक्षा करने के बजाय यह मोर्चा जमीन लूट में शामिल हो गया। इस मोर्चा के सरदार जमीन लूट के चलते जेल में हैं। वे सहानुभूति बटोरने में लगे हैं। देश का इतिहास बताता है कि सजायाफ्ता नेताओं को फिर सहानुभूति नहीं मिलती।

अजय आलोक ने शनिवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जमीन लूट के मामले में हेमंत सोरेन के बचपन

मीडिया को जानकारी देते भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक। • फोटोन न्यूज

के दोस्त अभिषेक पिंटू ने गवाही दी है। इसके बाद से वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। छिपते फिर रहे हैं। ऐसे में उनकी अपील राज्य सरकार से है कि उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा दे। साढ़े आठ एकड़ जमीन की तरह जानें कितनी जगहों पर हेमंत की जमीन होगी। जब वे बचपन के दोस्त पिंटू तक को नहीं छोड़ रहे तो राज्य को क्या छोड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि बिहार और झारखंड दोनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो आंखें हैं। वे इस राज्य में हो रही गड़बड़ियों, करप्शन से आंखें नहीं मूंद सकते। इस राज्य को अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया। अब भाजपा ही इसे गढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कोई सोच सकता था कि द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनेंगी। इससे पहले दलित समाज से रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति बने। प्रधानमंत्री मोदी राजनीतिक भूकंप लाते रहते हैं कि समाज के सबसे पिछड़े समाज को लीड करने का मौका मिले। भाजपा झामुमो की तरह जमीन मारो मोर्चा नहीं। कांग्रेस का संरक्षण भी इस सरकार को है। कमिशन का पैसा उनके पास भी जाता है।

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता इस चुनाव में जवाब देगी। लोकसभा चुनाव में भी और राज्य की आने वाले विधानसभा चुनाव में भी जनता जवाब देगी। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में झारखंड में विधानसभा चुनाव में वापस पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि ₹जमीन मारो मोर्चा₹ को राज्य की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी और इन्हें कहीं से भी सहानुभूति मिलने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड के लिए हमारा नारा है कि ₹हमने बनाया है, हम ही गढ़ेंगे।

श्री महावीर मंडल की हुई बैठक, रवि कुमार बने अध्यक्ष

RANCHI : श्री महावीर मंडल की महावीर चौक केंद्रीय कार्यालय में शनिवार को बैठक हुई। इसमें मुख्य रूप से इसमें अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, मंत्री दीपक ओझा, उपाध्यक्ष राज्सेन गुप्ता, राजकिशोर सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास, प्रेमचंद चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रमोद शाश्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा एवं प्रदीप कुमार गुप्ता उपस्थित थे। इस बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों की टोली का पदाधिकारी की नियुक्ति की गई। लंकेश सिंह, धर्मराज यादव, बाबू पाठक, युवराज पासवान, रणधीर रजक, नकुल तिर्की, सुनील रंजन सहाय, राकेश सिंह, पप्पू वर्मा, प्रकाश चंद सिंह, मंतोष सिंह, दीपेश पाठक, बबलू यादव, रोशन लाल यादव, उज्जवल प्रकाश तिवारी, अमरिंदर सिंह, मनीष यादव और अन्य को कार्यकारिणी में शामिल किया गया और और सभी पदाधिकारी को यह दिशा निर्देश जारी किया गया है की सभी अखाड़ों में घूम कर उनकी समस्याओं को जानकर उनकी समस्याओं का समाधान महावीर मंडल द्वारा यथाशीघ्र किया जाए। हम महावीर मंडल के तमाम पदाधिकारी सभी सभी अखाड़ा धारी का जो भी समस्या होगी उसके समाधान हेतु हर प्रयास और कोशिश करेंगे। यह जानकारी प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा ने दी।

टांगी से मारकर की गई वृद्ध महिला की हत्या, पोती गंभीर

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र के कुम्भा टोली में एक बुजुर्ग महिला की टांगी से मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना में मृत महिला की पोती भी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बुजुर्ग महिला दृष्टि मुंडा (65) का अपने पड़ोसी सूरज से काफी दिनों से विवाद चल रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि सूरज ने बुजुर्ग महिला पर टांगी से हमला कर दिया। इससे बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी। बताया गया कि घटना के दौरान जब बुजुर्ग महिला की पोती अपनी दादी को बचाने गई तो सूरज ने उस पर भी हमला कर दिया। इस हमले में बुजुर्ग महिला की 16 साल की पोती भी घायल

हो गई। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस संबंध में नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि कुंभा टोली में एक बुजुर्ग महिला की टांगी से हत्या कर दी गयी। इस हमले में बुजुर्ग महिला की पोती भी घायल हो गई। मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित सूरज को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

आरयू के पीजी विभाग के छात्र-छात्रा त्रस्त, विवि प्रशासन मस्त : अभिषेक

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि रांची विश्वविद्यालय के पीजी वाणिज्य विभाग के भवन की स्थिति बिल्कुल दयनीय है। आए दिन वहां कोई ना कोई घटना घटने की आशंका बनी रहती है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। विभाग के विद्यार्थी परेशानियों से त्रस्त हैं, जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन मस्त है। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने चैंबर और मौलाना आजाद सीनेट हॉल में एनसीसीएफ के दफ्तर को संवारने के लिए करोड़ों रुपए खर्च

अभिषेक शुक्ला।

कर रहे। शुक्ला ने आगे कहा कि अगर जल्द ही विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वाणिज्य विभाग के नए भवन का शिलान्यास नहीं किया गया एवं छात्र-छात्राओं के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं कि गई, तो छात्र आजसू के सदस्य विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव एवं विश्वविद्यालय में तालाबंदी के लिए बाध्य होंगे।

लाखों के अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : तमाड़ थाना पुलिस ने दो अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में दिगम महतो और झरीराम महतो शामिल है। इनके पास से 1200 ग्राम अफीम, 50 हजार नगद, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और एक बाइक बरामद किया गया है।बरामद अफीम की कीमत सात लाख 20 हजार आंकी गई है।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तमाड़ थाना के रोलाडीह एवं बुरूसिंगु गांव के बीच ईटा भट्ठा के पास एक एक

संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा। • फोटोन न्यूज

बाइक से कुछ लोग अफीम खरीद - बिक्री करने के लिए आने वाले है। सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुण्डू के नेतृत्व में थाना प्रभारी बुण्डु एवं सशस्त्र बलों को शामिल करते हुए एक छापेमारी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर पहुंची तो दो व्यक्ति भागने लगे। टीम ने दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया।

दोनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर अफीम बरामद किया गया। पूछताछ करने पर बरामद सामान के बारे में दिगम महतो ने बताया कि वह बुंडू के कोड़दा का रहने वाला है। अफीम खरीदने के लिए अपने फूफा के घर तमाड़ के मुचीडीह आया हुआ था।

ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर धराया

RANCHI : रांची के रातू स्थित नवासोसो में पुलिस ने 22 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम रंजन यादव है। वह गोंदा थाना क्षेत्र के गांधी नगर का रहने वाला है। उसके पास से एक वाहन और 22 पुड़िया ब्राउन शुगर (486 ग्राम) बरामद किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सफेद रंग के स्कार्पियो वाहन से ब्राउन शुगर की तस्करी की जा रही है। सूचना के बाद टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम नवासोसो स्थित लिची बगीचा पहुंची। इसी दौरान स्कार्पियो वाहन 15 मिनट बाद पहुंचा। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया तो वाहन में सवार व्यक्ति भागने लगा। टीम ने खदेड़कर उसे पकड़ लिया। जांच करने पर उसके पास से ब्राउन शुगर बरामद किया गया।

झारखंडी जनता की आंखों में धूल झोंक रहे झामुमो, भाजपा व कांग्रेसी : विजय शंकर

RANCHI : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड छत्तीसगढ़ के प्रभारी विजय शंकर नायक ने भाजपा, झामुमो और कांग्रेस के नेता आरोप प्रत्यारोप की राजनीति कर झारखंड की भोली भाली जनता के आंखों में

धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। तीनों पार्टी के नेता सुपवा दूसे छलानिया को छलानिया दूसे सुपवा को की राजनीति कर जनता के बुनियादी सवालों से ध्यान भटका रहे हैं। नायक ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने 15 वर्ष के कार्यकाल के बारे में जनता को बताना चाहिए कि उसने झारखंड की जनता के हितों तथा उनके बुनियादी सवालों पर कितनी गंभीरता पूर्वक कार्य करने का काम किया है। झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की सरकार के नेता को यह बताना चाहिए कि 4 वर्षों में झारखंडी जनता के बुनियादी सवालों को कितना प्रमुखता से समाधान करने का काम किया।

स्थापना दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने फहराया झंडा

RANCHI : प्रदेश भर में शनिवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी के प्रत्येक कार्यकताओं ने अपने-अपने घर एवं जिला-मंडल पार्टी कार्यालयों में शनिवार को भाजपा का झंडा लगाया। गढ़वा के विश्रामपुर मंडल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी का झंडा लगाया। मौके पर मरांडी ने कहा कि देश सेवा एवं

जनसेवा में सदैव समर्पित, एकात्म मानववाद और अंत्योदय के मंत्र पर अग्रसर रहने वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भाजपा है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने चंदनकियारी स्थित अपने आवास पर भाजपा का झंडा लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो अपने उद्गम के उद्देश्यों को, अपने संकल्पों पर ना सिर्फ.अडिग है बल्कि उन संकल्पों को सिद्ध करके भी दिखाया है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा का झंडा फहराकर स्थापना दिवस मनाया। उन्होंने कहा कि सेवा ही समर्पण अंत्योदय और एकात्म मानववाद के ध्येय के अनुरूप चलने वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा है।

बुजुर्ग मतदाता घर से कर सकते हैं मतदान, आयोग करेगा टीम का गठन

दिव्यांग मतदाताओं के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र आवश्यक

PHOTON NEWS RANCHI : 85 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति डाक मतपत्र का ऑप्शन चुन सकते हैं और अपना वोट घर से ही डाल सकते हैं। साथ ही 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग नागरिक भी घर से वोट डालने के लिए डाक मतपत्र का विकल्प चुन सकते हैं। चुनाव आयोग ने दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक को यह सुविधा प्रदान की है।

इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि इसके लिए एक फार्म भरना होगा। यह फार्म चुनाव आयोग (ईसीआई) की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

घर से मतदान का विकल्प चुनने वाले दिव्यांग मतदाताओं के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र होना चाहिए। 85 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को बीएलओ के पास मौजूद फॉर्म 12डी भरकर देना होगा या फिर इस फार्म को निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय में स्थित मतपत्र कोषांग से भी प्राप्त किया जा सकता है।

फॉर्म को भरकर अपने बीएलओके पास जमा करा दें। फार्म में वोटर कार्ड में दर्ज एपिक नंबर जरूर भर दें। दिव्यांग नागरिक अपने फार्म के साथ 40 प्रतिशत से अधिक का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी संलग्न करें। इसे बीएलओ के पास जमा करें या सीधे निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय में।

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) मुख्य मतदान के दिन से पहले घरेलू मतदान के लिए दिन तय करते हैं। मतदाताओं को घर पर ही डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाएगा। वे इस पर अपनी पसंद के उम्मीदवार को चिह्नित करेंगे।

घर पर मतदान करने के लिए चार से पांच लोगों की टीम गठित होगी, जिनमें चुनाव अधिकारी, एक वीडियोग्राफर और पुलिस शामिल रहेंगे। टीम घर पर मतदाता के मतपत्र को मतपेटी में डालने को कहेगी। मतदान की प्राइवेसी के लिए वहां एक पार्टिशन किया जाएगा।मतदान की वीडियोग्राफी भी की जानी है। इस तरह बुजुर्ग मतदाता और दिव्यांग अपने घर बैठे ही वोट डाल पाएंगे। अपनी सेवाएं दे रहे वॉलिंटियर्स इसमें सहायता करेंगे। ऐसे वोटर्स के वोटों की गिनती डाक मतपत्रों से की जायेगी।

श्री महावीर मंडल कांके के अध्यक्ष बने अनिल टाइगर, मुख्य संरक्षक अतीश सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : अनिल महतो टाईगर दोबारा सर्वसम्मति से श्री महावीर मंडल कांके के अध्यक्ष चुने गए हैं। समिति का पुनर्गठन मुख्य संयोजक गिरिजा शंकर पांडेय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नई कमिटी के मुख्य संरक्षक अतीश कुमार सिंह, संरक्षक स्वामी देवेंद्र प्रकाश, अजय बैठा, राम लखन मुंडा, ठानो मुंडा, इंद्रासन सिंह, सोनू तिवारी, पंकज वत्सल, कृष्ण यादव, अंबिका सिंह, विजय मुनि, अशोक यादव, हीरा सिंह, हरेकृष्ण महतो, जगरनाथ यादव, रितेश तिवारी बनाये गए हैं। सह संयोजक शशिकांत यादव, मुकेश यादव, महामंत्री चंकी यादव, कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद राय, विवेक सिंह, राज किशोर वर्मा, मंत्री

बैठक में उपस्थित महावीर मंडल के सदस्य। • फोटोन न्यूज

बिहारी यादव, सचिव अनिल महतो, प्रचार मंत्री प्रभात भूषण, पुरुषोत्तम गोस्वामी, कोषाध्यक्ष बिहारी महतो, सुमित सिंह, सह कोषाध्यक्ष रोहित यादव, उपाध्यक्ष बलदेव ठाकुर, महेश सिंह, अजय यादव, स्वागत अध्यक्ष प्रो. डीके रुसिया, शिव कुमार महतो, कार्यालय मंत्री राजू राम, विनीत तिवारी, हर्ष, निरंजन मालाकार, मीडिया प्रभारी राम मनोहर मिश्र बनाए गए हैं। युवा दस्ता अध्यक्ष कुमार शुभम, कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य सिंह, उपाध्यक्ष अमित तिर्की, गोलू सिंह, कोषाध्यक्ष अंकित ठाकुर और अभिलाष सिंह बनाए गए हैं।

शौचालय घोटाले की आरोपी तीन जलसहिया गिरफ्तार

62 लाख रुपये की अवैध निकासी को लेकर दर्ज हुआ था मामला

अंजना दास।

काजल मंडल।

बसंती मुंडा।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड स्थित कोवाली थाना क्षेत्र के जामदा पंचायत से तीन जलसहिया को गिरफ्तार किया गया है। सभी जलसहिया शौचालय घोटाला में 2018 से फरार चल रही थीं। इनमें देवली की बसंती मुंडा, भालकी की काजल मंडल एवं उलियान साईं की अंजना दास को थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान ने टीम बनाकर महिला पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता मंतोष कुमार मणि द्वारा अक्टूबर 2018 को कोवाली थाने में कोवाली एवं जामदा पंचायत की मुखिया समेत सभी दोषी जल सहिया पर अवैध रूप से बिना कार्य के 62 लाख रुपये निकासी का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में पेयजल स्वच्छता विभाग द्वारा लगातार दोषियों पर दबाव बनाया जा रहा था कि जल्द से जल्द शौचालय का निर्माण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र सौप दें, मगर किसी ने भी इस और ध्यान नहीं दिया।

पेयजल स्वच्छता विभाग ने किया था डेढ़ करोड़ का सर्टिफिकेट केस : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के जिला को-ऑर्डिनेटर बेसिल टोप्पो ने बताया कि फरवरी 2024 को पेयजल स्वच्छता विभाग द्वारा पोटका के पांच पंचायत में 2018 में करोड़ों रुपये की निकासी के बाद शौचालय का निर्माण नहीं किए जाने के मामले में संज्ञान लेते हुए इन पांच पंचायत की दोषी जलसहियाओं एवं मुखिया पर डेढ़ करोड़ रुपये का सर्टिफिकेट केस किया गया है।

पोटका में कहां-कहां हुआ शौचालय घोटाला : पोटका प्रखंड में कोवाली, जामदा, शंकरदा, सानग्राम एवं कुलडीहा पंचायत की मुखिया एवं कुछ जलसहिया द्वारा मिलकर हजारों शौचालय निर्माण को लेकर अवैध रूप से करोड़ों रुपये की निकासी कर ली गई थी एवं शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया था।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

लोहा गरम, हथौड़ा चला

राजनीति की गर्माहट इस बार सबसे ज्यादा कोयले की भट्ठी में देखने को मिल रही है। यहां जो आग पहले से सुलग रही थी, अब उसकी ज्वाला बेकाबू होकर फैल रही है। पता नहीं, इसकी आग से कौन-कौन झुलसेगा। वैसे राजनीति के पंडित कहते हैं कि जब लोहा गरम हो, तभी हथौड़ा चलाना चाहिए। सो अपने चाचा भट्ठी में जलावन झोंक रहे हैं, जिससे लोहा गरम होते-होते खुद ही पानी बन जाए। हथौड़ा तो पब्लिक ही चलाएगी, भले लोहा पानी बने या किसी की रोटी पक जाए।

बेचारे गुरुजी की कौन सुनेगा

एक गुरुजी शहर में पहले धन प्रबंधन का पाठ पढ़ाते थे। कुछ दिनों बाद उन्हें राजनीति पढ़ाने का मौका मिला। मूढ़ जनता को उनकी पढ़ाई में रुचि ही नहीं आई, तो गुरुजी ही यहां से तड़ीपार हो गए। राजधानी जाकर खूब भौंकने का मौका मिला, तो हाथ ने उन्हें एक मौका उनके गृह जिला में दिया। दुख की बात रही कि वहां की जनता ने भी उनकी पढ़ाई को एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया। अंत में गुरुजी को समझ आया कि बहती गंगा में ही डुबकी लगाना ठीक है।

बाट जोहते पथरा गईं आंखें

पूरे देश में चुनावी महापर्व का डंका बज रहा है। अपने यहां भी सरकार जबरदस्त उत्साह में दिख रही है, लेकिन असल चीज ही गायब है। लौहनगरी सहित सारंडा की धरती की आंखें बाट जोहते-जोहते पथरा गई हैं। आज-कल करते करते रात बीत रही है, लेकिन अखाड़े का दूसरा पहलवान कौन होगा, पता ही नहीं चल रहा है। पता चला है कि इसी बीज यहां किसी स्वयंभू नेता ने दावा कर दिया है कि तीर तो हम ही छोड़ेंगे। जगह-जगह माथा टेकना भी शुरू कर दिया है।

तेंदुआ आया-तेंदुआ आया...

आपने अभी तक भेड़िया आया-भेड़िया आया... वाली कहानी सुनी थी, अब लौहनगरी के लोगों ने तेंदुआ आया-तेंदुआ आया... भी सुन लिया। एक तेंदुआ गम्हरिया में अवतरित हुआ था, जिससे वहां एक सप्ताह तक सबकी हवा-पानी गुम थी। जब वहां के लोग चैन की सांस लेने लगे, तो वही तेंदुआ... अपनी लौहनगरी में आ गया। यहां भी सरकारी महकमा खूब उछला। पिंजरा और गोली-बंदूक के साथ सेना उतार दी, लेकिन वह आया भी था कि नहीं, यह भी पता नहीं चला।

BRIEF NEWS

नहीं रहे बागबेड़ा निवासी अजय मिश्रा

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा, रोड नंबर-5 निवासी अजय मिश्रा (48) का शुक्रवार रात करीब 11 बजे हृदयाघात से निधन हो गया। वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्री व एक पुत्र छोड़ गए हैं। उनके निधन से ब्राह्मण समाज में शोक की लहर फैल गई है। शोक संवेदना व्यक्त करने को कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे सहित कई विप्र का उनके आवास पर तांता लगा रहा। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर किया गया।

आज अग्रसेन भवन में लगेगा नि:शुल्क प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

JAMSHEDPUR : साकची स्थित आमबगान मैदान के पास अग्रसेन भवन में रविवार को निशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा शिविर लगेगा, जो सुबह 10.30 बजे से शुरू होगा। यह शिविर चंदूलाल भालोटिया सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के सौजन्य से लग रहा है, जिसमें कंचन सेवा संस्थान, उदयपुर, राजस्थान के दक्ष चिकित्सक द्वारा घुटना एवं कमर दर्द का प्राकृतिक उपचार किया जाएगा।

इंडिया इंटरनेशनल डांस फेस्टिवल हुआ शुरू

ROURKELA : डांस फेस्टिवल आईआईडीएफ की ओर से शनिवार को भारतीय अंतरराष्ट्रीय नृत्य महोत्सव भंज भवन में आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन सांस्कृतिक और कलाभूमि राउरकेला द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें राज्य के अलावा देश के विभिन्न राज्यों के कलाकार भाग लें रहे है।

बीजेडी ने बनाया रोहित तिर्की को प्रत्याशी, बगावत

ROURKELA : विरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र में बीजेडी उम्मीदवार के रूप में जॉर्ज तिर्की के बेटे रोहित जोसेफ तिर्की के नाम की घोषणा के बाद बीजेडी नेता राजेश केरकेटा ने विद्रोह में सामने आ गया है। राजेश ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। राजेश केरकेटा विरमित्रपुर के पूर्व विधायक रमेश केरकेट्टा के बेटे हैं।

रेप के आरोपियों को 20 साल की सजा

ROURKELA : सुंदरगढ़ में युवतियों से गैंग रेप के आरोप में दो युवकों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। सुंदरगढ़ के अतिरिक्त जिला दौरा न्यायाधीश ने सजा सुनाई। आरोपी राजेन कुजूर और रवि ओराम को एडीजे कोर्ट ने सजा सुनाई है।

विदेशी शराब की गई जब्त

ROURKELA : सुंदरगढ़ टाउन थाना पुलिस ने रानीबागिचा इलाके में छापेमारी कर विदेशी शराब जब्त की। इस घटना में आरोपियों में रानी बागची के रंजीत प्रसाद चौरसिया (19), खमारीपाड़ा के मुरलीधर माझी (53) और किन्जिरकेला थाना पेरुआअडार के जगन्नाथ बाग (21) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के विदेशी शराब की तस्करी करने की सूचना मिलने पर पुलिस ने छापा मार कर उन्हें पकड़ लिया।

बंगाल क्लब में प्री-बैसाखी प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं समाजसेवी पूरबी घोष। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : साकची स्थित बंगाल क्लब में 5-7 अप्रैल तक प्री-बैसाखी प्रदर्शनी शुरू हुई, जिसका उद्घाटन समाजसेवी पूरबी घोष ने किया। महिलाओं द्वारा संचालित कोलकाता की संस्था ह्यएनिग्माह्व की प्रमुख एलिट्रा सिन्हा मुखर्जी ने बताया कि जमशेदपुर में 11वीं बार प्रदर्शनी लग रही है। प्रदर्शनी के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर किया जा रहा है। इसमें कोलकाता व जमशेदपुर के बेहतरीन कारीगरों द्वारा तैयार लेडीज कलेक्शन- साड़ी, कुर्ती, आभूषण, मेंस कनेक्शन आदि हैं। प्रदर्शनी में 30 स्टॉल लगे हैं, जिनमें विशेष छूट दी जा रही है।

नीरज की स्मृति में 25 यूनिट हुआ रक्तदान

JAMSHEDPUR : झारखंड कुम्हार कल्याण संघ के संस्थापक सह प्रदेश उपाध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद के इकलौते पुत्र नीरज की स्मृति में शनिवार को रक्तदान शिविर लगा, जिसमें 25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया कुम्हारपाड़ा, काशीडीह स्थित प्रजापति भवन में लगे शिविर का उद्घाटन भाजपा नेता निर्भय सिंह ने किया। इस अवसर पर इंद्रदेव प्रसाद भी उपस्थित थे, जबकि शिविर को सफल बनाने में वॉयस ऑफ ह्यूमिनिटी के संस्थापक हरि सिंह राजपूत, तेतर प्रजापति, हरिशंकर पंडित, बासुदेव प्रसाद, गणेश प्रसाद सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

एक्सएलआरआई के दीक्षांत समारोह में 342 स्टूडेंट्स को मिला सर्टिफिकेट

जीवन का सबसे बड़ा मंत्र सत्य व सेवा : राजीव

दीक्षांत समारोह में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआइ के टाटा ऑडिटोरियम में वर्चुअल इट्रैक्टिव लर्निंग व कॉर्पोरेट प्रोग्राम के 22 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वर्चुअल इट्रैक्टिव लर्निंग प्रोग्राम के कुल 233 जबकि कॉर्पोरेट प्रोग्राम के कुल 109 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महिंद्रा इंश्योरेंस ब्रोकर्स, महिंद्रा फर्स्ट चॉइस व्हील्स, महिंद्रा स्टील सर्विस सेंटर के चयरमैन सह आइओएल जेनेवा के गवर्निंग बॉडी के सदस्य राजीव दुबे उपस्थित थे। उन्होंने एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज एसजे, डीन एकेडमिक्स संजय पात्रो व वर्चुअल इट्रैक्टिव लर्निंग व कॉर्पोरेट प्रोग्राम के एसोसिएट डीन मनोज टी थॉमस ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज ने सभी को संबोधित करते हुए निडर बनने का आह्वान किया। साथ ही मुख्य अतिथि राजीव दुबे को सम्मानित किया। इस दौरान राजीव दुबे ने जीवन में सफल होने के लिए थ्री प्लस फाइव (3+5) का फामूर्ला दिया। उन्होंने कॉरपोरेट लीडर्स को तीन टिप्स देते हुए कहा कि कभी ₹कोई सीमा स्वीकार न करें, वैकल्पिक सोच दृष्टिकोण का पालन करें, और जीवन में हमेशा सकारात्मक बदलाव लेकर आए। साथ ही एक बिल्कुल नया दिमाग, जोश और ऊर्जा का मल्टीप्लाई, डर या हार का मैनेजमेंट जरूरी है साथ ही हार को सकारात्मक रूप से लेना, और ट्रस्ट ये पांच ऐसे व्यवहार हैं जिनका हर लीडर्स को करना चाहिएह्व। उन्होंने अपने जीवन का मंत्र यानी सत्य, प्रेम और सेवा भी साझा किया, जिसे सत्य, करुणा और सेवा की भावना के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। इस दौरान सभी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

कॉपोरेट प्रोग्राम में इन्हें मिला प्रथम स्थान

1. ईडीएचआरएम 2023-24: सचिन कुमार शर्मा
2. पीजीसीएचआरएम 2022-24 (एक्सेंचर): अजय आनंदन एसआर
3. पीजीसीजीएम 2022-24 (पीडब्ल्यूसी): प्रशांत यूके नायर

वर्चुअल लर्निंग प्रोग्राम में इन्हें मिला प्रथम स्थान

1. पीजीसीबीएम (व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र) - सुमित कुमार बृजवानी
2. पीजीसीएचआरएम (मानव संसाधन प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र) - उपासना बोस
3. पीजीसीएसएल (वरिष्ठ नेतृत्व में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र) - राजेश पाठक

कार्यकर्ता ही भारतीय जनता पार्टी की जान : गंगाधर दास

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला भाजपा कार्यालय में शनिवार को पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष लतिका पटनायक की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के संस्थापक सदस्य गंगाधर दास शामिल हुए। जिला सभा नेत्री के साथ झंडोत्तोलन किये।

गंगाधर दास ने भारतीय जन महासंघ से लेकर भाजपा के जन्म तक भाजपा की लंबी यात्रा और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से लेकर भारत रत्न और भाजपा के संस्थापक अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी तक की राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डाला और सभी को शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने मोदी के नारे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्व, सबका विकास', आत्मनिर्भर भारत', 'विकसित भारत' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि युवा ही विकसित भारत के सारथी होके कार्य के रूप में बदलेंगे। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव पूर्णिमा केरकेटा, प्रदेश प्रवक्ता धीरेन सेनापति, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निहार राय, प्रमिला सोना, शशांक जेना, मलय महापात्रा, अजय कंसारी, आशा नायडू, सस्मिता पाढ़ी, सूर्यकांत मोहंती, मनोज माहेश्वरी, गुरबिंदर सिंह, सरोज दास, अशोक लेंका , अबोध रॉय, प्रशांत कुमार पांडा, आई रमेश राजा,मनोरंजन मुनि, केदार मोहंती, कमलेश साहा, आलोक नायक, राजेश प्रसाद+, सुशांत महापात्रा, तापस परिदा, रमेश सिंह, सुधाकर साहू, बंदिता महंत, हेमंत जेना, श्रीकांत राय, ताराकांत महापात्रा , श्रीकांत पाढ़ी, व्यास देवनाथ, सोनू कंसारी, आशा बती, सीमा मिश्रा, बनिता महंत, प्रमोद मोहंती, लक्ष्मी मिश्रा, आशा साहू, श्रीमा मिश्रा, केएन चौबे, श्याम नायक, एसके नजीर नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व व नेतृत्व और कर्मठ कार्यकर्ता बनेगा।

आदिवासी समाज को बदनाम न करें झामुमो के लोग : निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि उनकी पत्नी कल्पना सोरेन आदिवासी के नाम पर उनके पति को प्रताड़ित करने की बात कहती हैं, जबकि मैं कहता हूं कि हेमंत सोरेन के साथ आदिवासी समाज के कितने लोग जेल गए हैं। वे क्यों पूरे आदिवासी समाज को बदनाम करते हैं। आदिवासी समाज बहुत भोला-भाला है। हेमंत सोरेन ने स्वयं गड़बड़ी की है, तो खुद अपने पाप की सजा भुगतें। आदिवासी के नाम पर बेईमानी मत करो।

अमन के साथ राम नवमी व ईद मनाने के लिए हुई शांति समिति की बैठक

शांति समिति की बैठक में शमिल लोग ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : रामनवमी और ईद को लेकर राम नवमी अखाड़ा समिति और ईद समिति दोनों की ओर से व्यापक तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही दोनों त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी कई कदम उठाये जा रहे हैं। राउरकेला प्लांटसाइट थाने में शुक्रवार शाम शांति समिति की बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता डीएसपी निर्मल चंद्र महापात्र ने की और इसमें विभिन्न रामनवमी और ईद समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इसके अलावा राउरकेला एकता मंच के सदस्य और शांति समिति के सदस्य भी शामिल हुए। प्लांटसाइट इंस्पेक्टर जयनारायण खड़ेई ने विभिन्न समिति सदस्यों से चर्चा की। इस साल शहर में 15 रामनवमी अखाड़ा समिति के जुलूस निकलेंगे, जबकि 4 जगहों पर ईद की नमाज अदा की जायेगी। प्रशासन व शांति समिति की ओर से ईद व रामनवमी शांति व व्यवस्था के साथ मनाने की अपील की गयी है।

बीजेपी के स्थापना दिवस पर आए लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने तुलसी भवन में पत्रकारों से की वार्ता, बोले-

जमशेदपुर, धनबाद और पलामू सहित जीतेंगे सभी 14 सीटें

पत्रकारों को संबोधित करते लक्ष्मीकांत वाजपेयी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर, धनबाद और पलामू ही नहीं, हम झारखंड की सभी 14 सीट जीतेंगे, इसमें किसी को शंका नहीं होनी चाहिए। ये बातें भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी सह राज्यसभा सदस्य डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने शनिवार को कहीं।

भाजपा के स्थापना दिवस पर शहर आए वाजपेयी ने बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा बूथ जीता, तो चुनाव जीता के सिद्धांत पर चल रही है। मेरा बूथ सबसे मजबूत का मंत्र सभी कार्यकर्ता को दिया गया है, जिस पर वे खरे उतर रहे हैं। जहां तक जमशेदपुर की बात है तो यहां से हमारा सांसद है, इसलिए परेशानी की कोई बात ही नहीं है। छोटी-मोटी बातें होती रहती हैं, जिसे आसानी से निपटा लिया जाएगा। धनबाद में हमारे प्रत्याशी ढुल्लू महतो के बारे में राजनीतिक साजिश हो रही है, लेकिन उनकी साजिश धरी रह जाएगी। ऑडियो-वीडियो वायरल होने की बात पर वाजपेयी ने कहा कि यह चुनाव के समय होता रहता है। जो प्रत्याशी होता है, वह मानकर चलता है कि उसके खिलाफ कुछ दुष्प्रचार किया जाएगा। इन सब बातों से भाजपा को कोई असर नहीं होने वाला है। हमारी जीत का कारण प्रधानमंत्री

भाजपा के 45वें स्थापना दिवस पर जनसंघ काल के कार्यकर्ता सम्मानित

JAMSHEDPUR : भाजपा ने शनिवार को अपना 45वां स्थापना दिवस मनाया। जमशेदपुर महानगर में भाजपा कार्यकताओं ने अपने घरों पर पार्टी का ध्वज लगाकर एवं विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से जनसेवा का संकल्प लिया। साकची स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस को पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान जनसंघ काल से पार्टी को अपने त्याग, समर्पण और परिश्रम से सींचकर भाजपा के रूप में विशाल वटवृक्ष बनाने वाले दर्जनों कार्यकताओं को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी के अलावा सांसद विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर महानगर जिला प्रभारी एवं कांके के पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री सह जमशेदपुर लोकसभा के संयोजक नंदजी प्रसाद, सह संयोजक एवं पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू समेत पार्टी के वरीय नेताओं के संग सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पारंपरिक गीत, संगीत व नृत्य के साथ मनाया बाहा पोरोब

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गरुड़बासा, हुरलुंग में आदिवासी मुलवासी एकता मंच द्वारा शनिवार को बा (बाहा) पोरोब का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले ग्रामीणों के द्वारा पारंपरिक रूप से प्रकृति की पूजा-अर्चना की, जिसके बाद खेलकूद का आयोजन किया गया। इसी क्रम में हो, मुंडा, भूमिज, उरांव एवं लोहार समाज के द्वारा पारंपरिक नृत्य कार्यक्रम किया गया। इसके बाद झारखंडी संस्कृति का लोक नृत्य का आयोजन किया गया। सामाजिक एवं संस्कृतिक विरासत को रक्षा करने वाले समाज के अगुआओं को आदिवासी गमछा देकर स्वागत किया गया।

रात्रि 10 बजे से झारखंड संस्कृति के प्रमुख छऊ नृत्य का भी आयोजन किया गया। छऊ नृत्य में छुटु लोहार के टीम खाड़ीपहाड़ी मानभूम जनशक्ति छऊ नृत्य समिति ने प्रस्तुति दी। उस्ताद संजय उरांव की टीम ने भी इसके टक्कर में अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। मंच के चेयरमेन कृष्णा लोहार ने बताया कि शहर में झारखंडी संस्कृति लुप्त होने से बचाने के लिए हमलोग प्रतिबद्ध हैं।

गैंगरेप के बाद आंख निकाली, हाथ-पैर तोड़कर मर्डर

एजेंसी

पटना । पूर्णिया में शुक्रवार को 7 साल की बच्ची का मक्के के खेत में शव मिला था। मासूम के आधे शरीर पर कपड़े नहीं थे। बच्ची की दाई आंख निकाल ली गई और गर्दन मरोड़ी गई थी। हाथ-पैर भी तोड़ दिए गए थे। परिवार का आरोप है कि मासूम के साथ गैंगरेप भी हुआ है। पुलिस ने इस मामले में आज 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी बच्ची की मां से बदला लेना चाहते थे, इसलिए उसकी ये हालत की। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को खून के धब्बे और कपड़े

के टुकड़े मिले हैं। आरोपियों के कपड़े और बच्ची के कपड़े पर लगे खून के धब्बे मैच हुए हैं। मामला जिले के रूपौली थाना क्षेत्र का है। डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम पूरी रात सबूत जुटाने में लगी रही। इस मामले में पुलिस ने गांव के ही प्रेम लाल उरांव और मोतिहारी के सेख नाहिद को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है और कई अहम खुलासे भी किए हैं।

परिजनों ने बताया है कि गांव के ही प्रेम लाल उरांव से तकरीबन एक साल पहले मामूली विवाद में मारपीट हुई थी। इसी मारपीट में प्रेम लाल उरांव ने बच्ची की मां का सिर फोड़ दिया था। इस मामले को सुलझाने के लिए पंचायत हुई थी। पंचायत ने प्रेम लाल उरांव को दोषी पाते हुए 25 हजार रुपए जुमार्ना भरने का फरमान सुनाया था। किसी तरह प्रेम लाल ने जुमार्ने की रकम पीड़ित को दी थी। तब से प्रेम लाल के मन में बदले की भावना पैदा हुई। जिसके बाद प्रेम लाल ने शेख नाहिद और एक अन्य के साथ मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया। परिजनों ने बताया कि बच्ची गुरुवार की सुबह अपनी दादी के साथ मक्का के खेत में गई थी। दादी 10 बजे बच्ची को खेत में छोड़कर घर वापस लौट गई थी। वापस जब दादी खेत पहुंची तो बच्ची गायब थी। परिजनों ने खोजबीन की, इस दौरान शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे सूचना मिली की मक्के की खेत में शव पड़ा हुआ है। कुछ ही देर में ये बात उन तक पहुंची। जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और बच्ची की शिनाख्त की। रूपौली थाना अध्यक्ष अमजद अली ने बताया कि पूरी रात एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम साक्ष्य जुटाने में लगी रही। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो अपना जुर्म कबूल कर लिया है। वहीं, तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। बच्ची के कपड़े और आरोपी के कपड़े पर लगे खून के धब्बे मैच हुए हैं। मक्के के खेत और आरोपी के घर से भी कई अहम सबूत मिले हैं। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

बक्सर पुलिस ने होटलों और लॉज में की छापेमारी

बक्सर। बक्सर के विभिन्न लॉज होटलों और रेस्टोरेंट में शुक्रवार को छापेमारी अभियान चलाया गया। यह छापेमारी बक्सर एसपी के निर्देश पर किया गया। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बिगुल बजते ही जिला प्रशासन ने भी कमर कस ली है। इसके साथ ही लगातार वाहन जांच समेत जिले भर में पुलिस की सक्रियता देखी जा रही है। पुलिस टीम ने स्टेशन रोड के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित होटलों और लॉज में जांच की गई। इस दौरान होटल और लॉज संचालकों को कई आवश्यक निर्देश भी दिया गया है। इस दौरान स्टेशन पर भी जांच अभियान चलाया गया।

रउद्दड धीरज कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर एसपी के निर्देश पर जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान टाउन थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के साथ अन्य पुलिस की अलग-अलग टीम बनाई गई। टीम ने स्टेशन रोड स्थित सभी होटल और लॉज में एक साथ छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने होटल और लॉज के रजिस्टर की जांच की। रजिस्टर के साथ कमरों में ठहरे यात्रियों का भी मिलान किया गया।एसडीपीओ ने बताया कि होटल और लॉज संचालकों को निर्देश दिया गया है कि होटल के कमरों में शराब रखने और पीने पर पकड़े जाने पर कार्रवाई होगी। शराब का सेवन कर पहुंचने वालों की सूचना स्थानीय पुलिस को देनी है।

चैती छठ को लेकर प्रशासन अलर्ट

एजेंसी

मुजफ्फरपुर। में जिला प्रशासन ने चैती छठ पर्व को लेकर निजी नाव और अवैध नाव के परिचालन के बंद करने का निर्देश जारी किया है। वहीं नदियों, तालाबों एवं घाटों पर गोताखोर, लाइफ जैकेट और महाजाल के इंतजाम के निर्देश दिए हैं। चिट्ठी के जरिए एसडीएम अमित कुमार ने कहा कि अवैध रूप से निजी नावों को नदियों में चलाने से खतरा हो सकता है। छठ पर्व में किसी भी निजी एवं अवैध रूप से नावों के परिचालन बंद होगी। साथ ही सभी आम लोगों को गहरे नदियों में जाकर स्नान करने एवं अर्घ्य देने पर मनाही होगी। किसी भी टूटे हुए तटबंध एवं दलदल नदी घाटों के पास अनावश्यक रूप से भीड़ नहीं हो।

पटना के कबाड़ी दुकान में भीषण आग

आसपास के घरों को भी चपेट में लिया, दमकल की 12 गाड़ियों ने पाया काबू

एजेंसी

पटना । पटना सिटी में कबाड़ी दुकान में अचानक आग लग गई। चंद मिनटों में आग की लपटें पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

घटना मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के दीप नगर इलाके की है। आग की लपटें इतनी तेज थी कि आसपास के कुछ घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

चारों ओर काला धुआं फैल गया। आनन-फानन में लोगों ने घरों से सामान निकालकर बाहर फेंका। मामले की सूचना स्थानीय थाना और फायर ब्रिगेड की टीम को दी

गई। सूचना मिलने के बाद दमकल की छोटी-बड़ी कुल 12 गाड़ियां मौके पर पहुंची और तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि आगजनी की घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई है। मामले की छानबीन की जा रही है।पीड़ित सूरज कुमार ने बताया कि कबाड़ी की दुकान में भीषण आग लग गई। मेरे घर को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। दीवार को तोड़कर घर का सामान बाहर निकाले, लेकिन घर में रखे 80 हजार रुपए कैश और जेवर नहीं निकाल पाए। वह जल गया है। किसी तरह से हम लोगों ने अपनी जान बचाई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि आग की लपटें काफी तेज थी। आसपास के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। लोग अपने-अपने घरों से गैस सिलेंडर और सामान निकाल कर बाहर खेत में फेंक दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मेहंदी गंज थाना को बार-बार फोन पर जानकारी देने की कोशिश की, लेकिन थाना प्रभारी ने फोन रिसीव नहीं किया।

गया में नहीं हो सकी कुमार सर्वजीत की सभा

गयाः लोकसभा क्षेत्र से महागठबंधन के प्रत्याशी कुमार सर्वजीत की सभा बैरागी मोहल्ले में नहीं हो सकी। मंच भी सजा था, कुर्सियां भी लगी थी और बड़ी संख्या में लोग भी मौजूद थे। कुमार सर्वजीत के स्वागत के लिए बड़ी-बड़ी भारी भरकम मालाएं भी लोग लेकर सभा स्थल आए थे, लेकिन अचानक कुमार सर्वजीत की चुनावी सभा परवान नहीं चढ़ सकी। सभा स्थगित करनी पड़ी। दैनिक भास्कर ने जब उनसे यह पूछा कि आपकी चुनावी सभा पर प्रशासन ने रोक लगा दी क्या तो उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि जब मैं यहां आया तो स्वागत की भव्य तैयारी देख मैंने लोगों से सभा करने से मना कर दिया। हमने लोगों से यह कहा कि प्रशासन चुनाव के दौरान इस तरह की अनुमति नहीं देता है। इसलिए सभा नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि गया नगर निगम के मेयर गणेश पासवान की मां से यहां आशीर्वाद लेने आया था, लेकिन लोगों का उमंग इतना जबरदस्त था कि उन्होंने हमारे आगमन को एक सभा का रूप दे दिया था, जिसे मैंने सख्ती से मना कर दिया।

पुलिस चेकपोस्ट में लगी आग

एजेंसी

गया गया के परैया थाना क्षेत्र में पुलिस चेकपोस्ट में शुक्रवार की देर आग लग गई। घटना के वक्त कोई भी पुलिसकर्मी नहीं थे। जबकि चुनाव के मद्देनजर जिला पुलिस ने 24 घंटे के लिए चेकपोस्ट खोला है। जिस जगह चेकपोस्ट है वहां किसी प्रकार का बिजली खंभा या तार नहीं है।

घटना के वक्त वहां कोई था भी नहीं। ऐसे में ग्रामीणों में चर्चा है कि असामाजिक तत्वों ने आग लगाई। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस कह रही जांच की जा रही। घटना गया-परैया

सड़क मार्ग स्थित कष्ठा हनुमान मंदिर के निकट की है। गया औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र की सीमा पर स्थित कष्ठा गांव के पास लोकसभा चुनाव को देखते हुए चेक पोस्ट खोला गया है। ताकि शराब, हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामान की जांच हो सके। यही वजह है कि इसे 24 घण्टे के लिए सक्रिय रखने का आदेश जिला पुलिस की ओर से जारी किया गया है। ज्ञात हो परैया थाना द्वारा कष्ठा गांव में सड़क के किनारे हनुमान मंदिर के निकट टेंट लगाकर चेक पोस्ट का निर्माण किया गया था। जिसमें असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी। आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जानकारी गांव के लोगों ने थाना में दी। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि चेकपोस्ट जलने की सूचना मिली है। इसकी जांच की जा रही है कि आग किस कारण से लगी है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त मौके पर कोई भी पुलिस कर्मी नहीं था।

नव-निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोगों के लिए जल्द खुलेगा

बक्सर । बक्सर के चौसा में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को बहुत जल्द क्षेत्रीय लोगों के लिए खोला जाएगा। डीएम के निर्देश पर ठेकदार द्वारा निर्माण कार्य पूरा करने के बाद स्वास्थ्य विभाग को बहुत जल्द हैंड ओवर किया जाएगा। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद भी ठेकेदार द्वारा इस आधुनिक चिकित्सीय व्यवस्थाओं से लैस नए भवन को हैंड ओवर नहीं किया गया था। इसको संज्ञान में लेते हुए बक्सर के डीएम अंशुल अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाई। उसे जल्द से जल्द हैंड ओवर कर लोगों के इलाज के लिए प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया है। इसके खुलने से यहां के मरीजों को छोटे-छोटे इलाज कराने के लिए जिले में जाने की जरूरत नहीं होगी। जिला जनसंपर्क कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बक्सर स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अंशुल अग्रवाल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौसा के नवनिर्मित भवन के संबंध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट परिसर अवस्थित कार्यालय कक्ष में की गई। इस दौरान पाया गया कि उक्त भवन में अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं होने के कारण संवेदक द्वारा हस्तांतरण नहीं किया गया है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चौसा को निर्देशित किया गया कि महाप्रबंधक, बीएमएसआईसीएल से समन्वय स्थापित करते हुए जल्द विद्युत कनेक्शन लगवाने का काम करें। बैठक में सिविल सर्जन बक्सर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चौसा, डी.पी.एम बक्सर और कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल बक्सर मौजूद थे।

संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव

एजेंसी

गया । गया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के ऐतिहासिक आजाद पार्क मैदान में शनिवार की दोपहर को संदिग्ध अवस्था में एक युवक का शव मिला है। शव मिलने से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आजाद पार्क मैदान में स्थानीय युवक देखा कि आजाद पार्क मैदान के अंदर कुएं के पास संदिग्ध अवस्था में युवक का शव दिखाई दिया। उसने इसकी सूचना स्थानीय कोतवाली थाना की पुलिस को दी, सूचना मिलते हीं कोतवाली थाना के थानाध्यक्ष आशीष मिश्रा सदलबल के साथ घटनास्थल आजाद पार्क को पहुंचे, वहां पहुंचते ही देखा कि एक युवक का शव पड़ा है। उसने काले रंग का जींस और हल्के रंग का शर्ट पहना था। बाएं हथेली पर

घड़ी भी बांध रखी थी। शव के पास एक लाल रंग की साइकिल भी लगी है, तलाशी ली गई तो कुछ नहीं मिला। युवक के मुंह से झाग जैसा निकल रहा था। पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों को बुलाया लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। युवक के शव की पहचान हो सके इसके लिए पुलिस ने काफी देर तक मशक्कत की लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। फिलहाल पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल को भेज दिया है। कोतवाली थानाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने बताया संदीप अवस्था में आजाद पार्क से एक युवक का शव बरामद किया गया है। उसकी पहचान नहीं हो सकी है, उसकी मौत कैसे हुई यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा होगा फि लहाल पहचान के लिए 72 घंटे तक पुलिस युवक के शव को शव गृह में रखेगी।

हाथापाई के दौरान छपरा का युवक जख्मी

भोजपुर । भोजपुर जिले के मुफस्सिल और बड़हरा थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके के पैगा रोड स्थित हनुमान मंदिर के समीप शुक्रवार शाम छिनतई के दौरान छपरा निवासी एक युवक जख्मी हो गया। परिजन इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जख्मी युवक सारण (छपरा) जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के दयाल चक गांव निवासी राम जीवन शाह का 22 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार है। जो पेशे से ऑटो चालक है।

कृष्णा नगर थानाध्यक्ष पवन कुमार और बड़हरा थानाध्यक्ष संजय कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। राहुल कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार को अपनी पत्नी को पहुंचने के लिए कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव अपने ससुराल आया था। शुक्रवार

की देर शाम वह अपने साला के साथ पैगा गांव स्थित बगीचा घूमने के लिए जा रहा था।

इसी क्रम में वह दोनों पैगा गांव के तीन मुहान स्थित हनुमान मंदिर के पास बैठकर पानी पीने लगे। तभी एक बाइक पर सवार तीन हथियारबंद बदमाश वहां आए और पिस्टल दिखाकर उन दोनों से मोबाइल और पैसे छिनने लगे। छिनतई के दौरान उनके बीच हाथापाई भी हुई। इसके बाद वह तीनों उन दोनों का मोबाइल व पैसा छीनकर भाग निकले। हाथापाई के दौरान वह जख्मी हो गया।

राजमिस्त्री की हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज

भोजपुर । भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर नगर स्थित वार्ड नंबर-3 के पवरटोला मोहल्ले में गुरुवार की देर शाम दरवाजे पर बैठने के विवाद को लेकर सेंट्रिंग मिस्त्री मो. मुस्लिम की गला रेत कर हत्या हुई थी। मामले में पांच लोगों पर नामजद प्राथमिकी कराई गई है। मृतक की पत्नी सलमा के बयान पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। पवर टोला मुहल्ला निवासी भुकडी मियां, इरशाद, चाना मियां, डबलू और मोहम्मद लाला को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपी चाना मियां और डब्लू मियां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गुरुवार की देर शाम मृतक स्व. खेदू मियां का 45 वर्षीय पुत्र मोहम्मद मुस्लिम अपने दरवाजे पर बैठा था। तभी नामजद आरोपी दरवाजे पर गाली-गलौज कर रहे थे। मृतक के मना करने पर नामजद आरोपियों ने गर्दन पर वार कर मौत के घाट उतार दिया। गंभीर हालत में जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई।

सरकारी बस ने 4 साल के बच्चे को रौंदा, मौत

एजेंसी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 5 साल के बच्चे की सड़क हादसे में मौत हो गई। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के मेंहदी हसन में सरकारी बस ने बच्चे को कुचल दिया। बच्चा अपने परिजन के साथ मार्केट गया था। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने बस पर पथराव किया। मौके पर ही चालक की जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर को भीड़ से छुड़ाया। बड़ी संख्या में लोग घटना स्थल पर जुट गए हैं। इधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित लोगों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन लोग सड़क से हट नहीं रहे हैं। लगभग डेढ़ घंटे से सड़क जाम है। सड़क पर बड़ी संख्या में लोग उतरे हुए और लगातार हंगामा कर रहे हैं। पुलिस के लाख कोशिश के बाद भी लोग मानने को तैयार नहीं हो रहे है। मृतक बच्चे की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के सोनबरसा के अबू बकर (04) के रूप में की गई है। अबू बकर अपने पिता कुर्बान अली और मां के साथ ईद की खरीदारी के लिए बाइक से शहर

आ रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ, जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। ऊढ विनीता सिन्हा ने बताया कि सड़क हादसे में एक बच्चे की मौत की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे तो आक्रोशित लोग सड़क जाम किए थे। स्थानीय लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और यातायात सामान्य कर दिया गया है। वहीं, चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। चालक के खिलाफ FIR दर्ज की जाएगी। वहीं बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए SKMCH भेज दिया है।

बंद हो किसी भी भारतवासी को 'बाहरी' उम्मीदवार बताना

आर.के. सिन्हा

अजीब विडंबना है कि हमारे यहां कुछ तंग दिल लोग जिसको चाहते हैं बाहरी बता देते हैं। यह स्थिति तब है जब हम भारतीय करीब एक-डेढ़ दर्जन देशों में सांसद से लेकर प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति तक बन गए। इनमें मलेशिया, मारीशस, त्रिनिडाड, ग्याना, केन्या, फीजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा वगैरह देश शामिल हैं। कैरिबियाई देश ग्याना में 1960 के दशक में भारतीय मूल के छेदी जगन राष्ट्रपति बन गए थे। उसके बाद तो शिवसागर राम गुलाम (मॉरीशस), नवीन राम गुलाम (मॉरीशस), महेन्द्र चौधरी(फीजी), वासदेव पांडे (त्रिनिडाड), एस.रामनाथन (सिंगापुर), श्रषि सुनक (ब्रिटेन), कमला हैरिस (अमेरिका) सरीखे भारतवंशी विभिन्न देशों के प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति बनते रहे।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने और चुनाव प्रचार का काम प्रतिदिन गति पकड़ता जा रहा है। इसके साथ ही सभी दल अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी करते जा रहे हैं। संयोग से अभी तक किसी प्रत्याशी पर 'बाहरी' उम्मीदवार होने का आरोप नहीं लगा है। हालांकि, हमारे यहां किसी को भी बिना किसी कारण के बाहरी उम्मीदवार बता दिया जाता है। याद करें 2014 के लोकसभा चुनाव के समय जब नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से चुनाव लड़ने का फैसला किया था तो कांग्रेस के नेता उन्हें 'बाहरी' बताने में लगे थे। इसी तरह अरुण जेटली के 2014 में अमृतसर से चुनाव लड़ने पर विवाद खड़ा हो गया था। उन्हें भी कांग्रेस ने बाहरी उम्मीदवार कहा था।

यह आरोप उस कांग्रेस के नेताओं ने लगाए थे जिस पार्टी ने देश के 1952 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में बाहरी दिल्ली सीट से मलयाली सज्जन सी.कृष्ण नायर को अपना उम्मीदवार बनाया था। दिल्ली उन्हें गांवों का गांधी कहती थी। सी.कृष्ण नायर की दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को स्थापित करने में अहम भूमिका रही थी। वे लोकसभा के 1957 में हुए चुनाव में भी जीते थे। जिस कांग्रेस ने नायर साहब को टिकट दिया था उसी ने 1957 के लोकसभा चुनाव में अंबाला में जन्मी बांग्ला परिवार से संबंध रखने वालीं सुचेता कृपलानी को नई दिल्ली सीट से अपना उम्मीदवार बनाया। सुचेता जी आगे चलकर उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री भी बनीं।

सच में अपने ही देश में कोई बाहरी उम्मीदवार कैसे हो सकता है। सारा भारत हम सबका है। यहां हरेक भारतवासी नागरिक को कहीं भी रहने या कहीं से भी चुनाव लड़ने का पूरा अधिकार है। तब किसी को बाहरी कहना हर लिहाज से निंदनीय है। सुचेता जी के पति और प्रख्यात स्वाधीनता सेनानी आचार्य कृपलानी बिहार के भागलपुर और सीतामढ़ी से सांसद रहे। यानी एक सिंधी बिहार से सांसद बना।

अब जार्ज फर्नांडीज को लें। जार्ज साहब भले ही दक्षिण भारत से आते थे, पर बिहार उन्हें अपना मानता था और वे बिहार को अपना मानते थे। बिहार ने उन्हें तहेदिल से आदर भी दिया। उन्होंने भी बिहार को पूरी तरह अपना लिया था। वे भोजपुरी भाषा और मैथली भाषा भी मजे की बोल लिया

करते थे। जॉर्ज साहब को बिहार की जनता ने कई बार लोकसभा में भेजा। वह मुंबई से भी लोकसभा का चुनाव जीते। बिखरे बाल, बिना प्रेस किया हुआ खादी का कुर्ता-पायजामा, मामूली सी चप्पल पहनने वाले जॉर्ज साहब जैसा मजदूर नेता, प्रखर वक्ता, उसूलों की राजनीति करने वाले इंसान अब फिर से देश शायद ही देखेगा। वे चिर बागी थे। उनका कोई चुनावी जातीय समीकरण भी नहीं था। उनका कोई संगठित कॉडर भी नहीं था, फिर भी वह अंतरराष्ट्रीय हैसियत के नेता थे।

इससे पूर्व भी 1962 और 1967 में बिहार ने मराठी मधु लिमये को लोकसभा में बार-बार भेजा। वह जब संसद में होते थे, तो सत्तापक्ष को डर सताता रहता था कि कब उनपर तीखे सवालों की बौछार हो जाएगी। बिहार की राजनीति की बात मधु लिमये के जिक्र के बिना पूरी नहीं हो सकती। वह मूल रूप से पुणे के थे। एक मराठी व्यक्ति का बिहार से चार बार चुनाव जीतना अपने आप में अनोखा है। राज्यसभा में ऐसे कई दूसरे नेता हुए हैं, लेकिन लोकसभा में ऐसे उदाहरण कम ही देखे गए हैं। लिमये का बचपन महाराष्ट्र में बीता, उनकी पूरी पढ़ाई भी वहीं से हुई, वो महाराष्ट्र की राजनीति में भी सक्रिय थे। उन्होंने जब राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखा तो चुनाव लड़ने के लिए बिहार ही चुना।

पहली बार वो 1962 में मुंगेर से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। 1964 में, सोशलिस्ट पार्टी और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी का विलय हुआ और यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी बनी थी। मधु लिमये पहली बार यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर लोकसभा गए थे। 1967 के चुनाव में लिमये ने यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर मुंगेर से जीत हासिल की। 1973 में लिमये ने बिहार के बांका से चुनाव जीता। किसी को अपने ही देश में बाहरी कह कर अपमानित करना सही नहीं है। कानपुर से एस.एम.बैनर्जी लंबे समय तक सांसद बनते रहे। वह बांग्लाभाषी थे और बंगाल से कानपुर में आकर बसे थे। वह मजदूर नेता थे।

अजीब विडंबना है कि हमारे यहां कुछ तंग दिल लोग जिसको चाहते हैं बाहरी बता देते हैं। यह स्थिति तब है जब हम भारतीय करीब एक-डेढ़ दर्जन देशों में सांसद से लेकर प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति तक बन गए। इनमें मलेशिया, मारीशस, त्रिनिडाड, ग्याना, केन्या, फीजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा वगैरह देश शामिल हैं। कैरिबियाई देश ग्याना में 1960 के दशक में भारतीय मूल के छेदी जगन राष्ट्रपति बन गए थे। उसके बाद तो शिवसागर राम गुलाम (मॉरीशस), नवीन राम गुलाम (मॉरीशस), महेन्द्र चौधरी(फीजी), वासदेव पांडे (त्रिनिडाड), एस.रामनाथन (सिंगापुर), श्रषि सुनक (ब्रिटेन), कमला हैरिस (अमेरिका) सरीखे भारतवंशी विभिन्न देशों के प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति और राष्ट्रपति बनते रहे।

अभी हाल में ही एक भारतीय मूल के नागरिक थरमन षणमुखरत्नम को भारी बहुमत से सिंगापुर का राष्ट्रपति चुना गया। बेशक, हम भारतीयों को अपना नजरिया बदलना होगा। अपनी सोच के दायरे का विस्तार करना होगा। हमें जाति, भाषा, मजहब, लिंग आदि के बंधनों को तोड़ना होगा। आपको वर्तमान में भारतवंशी सांसद अफ्रीका से लेकर यूरोप, अमेरिका और न्यूजीलैंड की संसद में मिलेंगे। मतलब यह है कि रोजगार की तलाश में दूर देश जाने वाले भारतीय अब वहां की किस्मत ही लिखने लगे।

अगर बात साउथ अफ्रीका की करें तो वहां पर मेवा रामगोविंद सांसद हैं। उनसे पहले भी कुछ और भारतवंशी सांसद रहे हैं। परमिंदर सिंह मारवाह युगांडा की पार्लियामेंट में थे। वह चाहते हैं कि भारत के निवेशक युगांडा के कृषि क्षेत्र में आएं। उनके परिवार ने 1970 के दशक में भी युगांडा को नहीं छोड़ा था जब ईदी अमीन भारतीयों पर जुल्म ढा रहे थे। उनके दादा युगांडा में बसे थे। उनके दादा रेलवे में थे। उन्होंने 1930 और 1940 के दशक में ईस्ट अफ्रीकी देशों में रेल लाइनें बिछाईं थीं।

अब बात केन्या की। इधर कुछ साल पहले तक एक सरदारनी सांसद थीं। उनका नाम है सोनिया विरदी। सोनिया केन्या में महिलाओं के अधिकारो के लिए लड़ती हैं। दरअसल वह पहली एशियाई मूल की महिला सांसद हैं केन्या में। सियासत में नाम कमाने के लिहाज से भारतवंशियों के लिए कनाडा बहुत उर्वरा भूमि है। वहां कई भारतीय मूल के सांसद हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमारे यहां किसी को अपने सियासी स्वार्थों के लिए बाहरी कहना बंद होना चाहिए। देश अब बदल रहा है। हवा के रुख को पहचानें।

संपादकीय

घर से हो सख्ती

कलकत्ता उच्च न्यायालय का यह कथन बिल्कुल उचित है कि, संदेशखालि में यदि यौन उत्पीड़न की एक प्रतिशत आरोप सही पाए गए तो यह बेहद शर्मनाक स्थिति होगी। यौन उत्पीड़न के कथित पीड़ितों के लगभग सौ हलफनामे इसमें शामिल हैं। इसमें जमीन कब्जा के मामले व हिंसा की घटनाएं भी हैं। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम ने कहा पूरा जिला प्रशासन और सत्तारूढ़ शासन को जिम्मेदारी निभानी होगी। सौ प्रतिशत जिम्मेदारी निभानी होगी। संदेशखालि में निलंबित तृणमूल नेता शाहजहां शेख व उसके सहयोगियों पर स्थानीय लोगों की जमीनें हड़पने व महिलाओं के यौन शोषण के आरोप हैं। इस पर एक याचिकाकर्ता वकील ने इस घटना की जांच किसी स्वतंत्र एजंसी से कराने की मांग अदालत से की। जिस पर पश्चिम बंगाल के महाधिवक्ता ने विरोध करते हुए दावा किया कि केंद्रीय एजंसियों ने भरोसा खो दिया है। पशिचम बंगाल के कूचविहार में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संदेशखालि की घटनाओं का जिक्र करते हुए आासन दिया कि दोषियों को अपना शेष जीवन जेल में बिताना होगा। इस दरम्यान ईडी ने शेख के बैंक खातों समेत उसके स्वामित्व वाले व्यवसायों से जुड़े खातों को फ्रीज करना चालू कर दिया है। पीड़िताओं ने दिल दहलाने वाली आपबीती सुनाई। उन्हें मजदूरी की आड़ में बुलाया जाता था, परंतु युवा व आकषर्क महिलाओं को मनोरंजन के नाम पर जबरन रोक लिया जाता था। उनके साथ मारपीट होती व अन्य तरीकों से उन्हें प्रताड़ित किया जाता। हालांकि स्थानीय नेता व ममता बनर्जी के करीबी इसे शुरूआत से ही बंगाल विरोधी प्रचार बता रहे हैं, परंतु यह सिर्फ भाजपा या सीपीएम के दुष्प्रचार का नतीजा नहीं कहा जा सकता। घटना को लेकर राज्य सरकार के भीतर शंका न होती तो वह आनन-फानन शेख को निलंबित करने से हिचकती। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि नेतागीरी की आड़ में यह दबंगई केवल बंगाल में ही हो रही है। वास्तव में इस तरह का अत्याचार राजनीति की छतछ्राया में देश भर में होता रहता है। जिस में जमीनों के कब्जे व बेवजह आम जनता का उत्पीड़न शामिल है। यह गंभीर समस्या है, इस पर दलों के मुखियाओं को सख्ती बरतनी चाहिए और ऐसी हरकतें करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर उदाहरण पेश करना चाहिए।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवसः स्वास्थ्य रक्षा सरकार के साथ आमजन का भी दायित्व

सुरेश सिंह बैस

भारत में आबादी के मुकाबले स्वास्थ्य सेवाओ की बहुत कमी है, स्वास्थ्य सेवांओ से यह तात्पर्य नहीं है कि केवल डाक्टरों की सुविधा ही, बल्कि डाक्टरों के आने वाली उन कई सहायक सेवाओं से है, जिसकी मदद से डाक्टर इलाज कर पाते हैं। वहीं चिकित्सा क्षेत्र में विकसित एवं विकासशील देश अरबों रुपए शोध कार्य पर खर्च कर रहे हैं। पर दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि जिन बीमारियों के लिए नयी-नयी दवाईयां खोजी जा रही हैं वे अमीरों की बीमारियां हैं, दिल संबंधी बीमारी, उच्च रक्त चाप, कैंसर, लिवर, किडनी प्रत्यारोपण और, सबसे बड़ी अमीरों की बीमारी है एड्स,। हर साल भारत सहित एशियाई देशों और अफ्रीका में लाखो व्यक्ति मलेरिया, कुपोषण, डायरिया, हैजा, डिहाईड्रेशन और टीकों एवं दवा के अभाव में दम तोड़ देते हैं, और इधर चिकित्सा विज्ञान प्लास्टिक सर्जरी के शोध करने में जुटा हुआ है। यहां यह भी गौर करने की बात है कि जिस तरह से कोरोना नामक महामारी 2019 में आई और लगभग 2024 में चली भी गई। इस? अनपेक्षित महामारी ने करोड़ों की संख्या में लोगों की जान ली थी।

स्वास्थ्य की महत्ता वर्षों पूर्व नेपोलियन बोनापार्ट ने समझकर ही यह कहा था कि अगर मुझे स्वस्थ्य माएं मिले तो मैं एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण कर सकता हूं। नेपोलियन की यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है। किसी भी राष्ट्र के सुदृढ़ निर्माण में स्वस्थ्य मांएं और सुसंस्कृत महिलाओ की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वे ही तो आने वाली स्वस्थ्य पीढ़ी की जन्मदात्री हैं। संभवतः इसी सत्य को स्वीकार करते हुए भारत सहित प्रदेशों की सरकारों ने अपने वृहद स्वास्थ्य कार्यक्रम को क्रियान्वित किया है जिसके केंद्र में महिलाओं एवं बच्चों को रखा गया है, प्रदेशों की स्वास्थ्य क्षेत्र में देखा जाए तो पिछले वर्षों में कोई उल्लखनीय प्रगति नही हो पाई है। जैसे अविभाजित मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़े राज्यों में है। 1991 की जनगणना के अनुसार यहां की कुल लगभग जनसंख्या 66135862 व्यक्ति मानी जाती है। लेकिन राज्य स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं की दृष्टि से अभी भी देश के अनेक राज्यों से काफी पिछड़ा है।

स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से मध्यप्रदेश राज्य के पीछे रह जाने के कारणों में यहां साक्षरता ,शिक्षा की कमी, आर्थिक पिछड़ापन, परिवहन के साधनों की न्यूनता और जनसंख्या में जनजाति संख्या का बाहुल्य है। 1981 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में साक्षरता का प्रतिशत 27.87 था, जो देश के साक्षरता प्रतिशत से काफी कम है। गैर शिक्षित लोग अंधविश्वासी और जादू टोनों से बड़ी बड़ी बीमारियों का उपचार करते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में धन नहीं जुट सका है। परिवहन की अपर्याप्त सुविधा के कारण मध्यप्रदेश में पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सालय और औषधालय नहीं खुल सके हैं। राज्य की जनसंसवा में लगभग 22.97 प्रतिशत भाग अनुसूचित जन जातियों का है जो दुर्गम घने वनों और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जनजाति के लोग सभ्य लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। वे अपना इलाज झाड़फूंक और जादू टोनों से करते है। अतः ऐसी स्थिति में यहां स्वास्थ्य सेवाओं का विकास अवरुद्ध रहा, फलतः मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं में काफी पीछे रह गया। क्या आपको पता है कि सारी दुनिया में रोज पचास हजार से ज्यादा बच्चे मौत के मुंह में जा रहे हैं। वजह अतिसार, निमोनिया, पानी की कमी, कुपोषण जैसी साधारण बीमारियां हैं। सारी दुनिया में हथियारों और फौज के खरचो के हिसाब को देखे तो पता चलेगा कि कई सौ करोड़ डालर रोज खर्च किए जा रहे हैं। हर दिन खर्च होने वाले ये करोड़ों डालर सिर्फ इसलिए कि हमारी दुनिया सुरक्षित रह सके। इसके दूसरी तरफ जिन लोगों के लिए इस दुनिया को बचाया जा रहा है, उनकी बेसमय मौत रोकने के लिए होने वाले खर्च फौजी खर्च के पासंग भी नहीं है। भारत जैसे तीसरी दुनिया के देश में हर वर्ष करीब बीस लाख शिशु अपना पहला जन्मदिन देखे बगैर मौत का ग्रास बन जाते हैं। क्या कारण है कि हमारे पास काफी हंद तक असमय मौत रोकने के चिकित्सकीय सुविधाओं के होने के बावजूद भी हम इन्हें रोकने में नाकामयाब हो रहे हैं। कारण है सामाजिक जागरुकता का अभाव। दरअसल समस्या ,कही यह है कि स्वास्थ्य को बीमारी से जोड़कर देखा जाता है तो कहीं बीमारी की गैर मौजूदगी स्वास्थ्य का लक्षण समझा जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। एक स्वस्थ्य व्यक्ति का अर्थ मानसिक, शरीरिक, नैतिक रूप से उसका अपने वातावरण से सही संबंध होना है। स्वास्थ्य की इस पूरी परिभाषा की अनुपस्थिति बहुत सी समस्याओं को जन्म देती है। भारतीय संदर्भो में अपने भविष्य की सुरक्षा की जब हम बात करते हैं तो हमे स्वास्थ्य की इस परिभाषा और उसके सामजिक संदर्भो को केंद्र में रखना होगा। अपने मौजूदा हालात में तथ्यों को सिलसिलेवार देखें तो वे कुछ इस तरह से होंगे। भारत में रोज होने वाली मौतों का कारण है प्रमुख कुछ बीमारियां 1 गलघोंटू 2 काली खांसी 3 टेटनस 4 तपेदिक (टीबी) 5 पोलियो 6 खसरा (मीजल्स)। इन सभी रोगों से बचपन में टीकाकरण द्वारा बचाव हो सकता है। इन तथ्यों की रौशनी में एक बार फिर यदि बच्चों के भविष्य को देख तो तस्वीर उतनी स्याह नही रहती। यदि देश के बच्चों को टीके की सुविधा सामान्य रुप से मिलने लगे तो इससे बच्ची की मृत्युदर में कमी होगी। मृत्यु दर में कमी का अर्थ है कि माता पिता में बच्चों के भविष्य के प्रति विश्वास जागेगा और जन्मदर घटेगी, जन्मदर घटने के साथ वे बहुत सी बुनियादी सुविधाएं लोगों को मुहैया होने लगेगी जो अब तक उपलब्ध नहीं हैं। यह बातें जितनी संभव लगते हैं उतनी है नहीं एक वैज्ञानिक सत्य है की तरक्की का एक सीधा असर यह होता है की जनसंख्या पर अपने आप नियंत्रण हो जाता है। इसे वैज्ञानिक डेमोग्राफिक ट्रांजिशन कहते हैं। यदि टीकाकरण और सामान्य स्वस्थ लोगों तक पहुंचाने की कोशिश में यदि इस डेमोग्राफिक ट्रांजिशन की स्थिति में पहुंचते हैं तो एक बड़ा कदम होगा। सर्दी के अंत तक सबके लिए स्वास्थ्य की मुहीम हमारे देश में चलाई जा रही है।

बिहार : माय-बाप समीकरण की ठाठ

प्रो. नवल किशोर

किसी भी राजनीतिक दल के उदय, स्थापना और विस्तार में जन समर्थन ही मुख्य तत्व है। प्रायः चुनावी दंगल में किसी भी दल को हासिल जनादेश को तीन खंड में देखने की कोशिश की जाती है जिसे कोर वोट, समर्थन वोट और तिरती वोट की संज्ञा दी गई है। इन तीनों में कोर वोट किसी भी दल की रीढ़ होती है। इसका टूटना मतलब उस दल का पतन। बाकी दोनों प्रकार के वोटों का ऊपर-नीचे होना स्वाभाविक है क्योंकि वह समसामयिक मुद्दों और अभियान पर निर्भर करता है।

राष्ट्रीय जनता दल की स्थापना 25 जुलाई 1997 को हुई जो लालू प्रसाद के लिए एक विपरीत कालखंड में हुआ करता था। एक तरफ वह अपनी लोकप्रियता की पराकाष्ठा पर थे वहीं दूसरी तरफ पशुपालन घोटाले के आरोप में उनकी राजनीतिक जीवन बिल्कुल संक्रमण काल से गुजर रही थी। ऐसी परिस्थिति में उन्होंने दो महत्त्वपूर्ण राजनीतिक फैसले लिए थे। पहला, जनता दल से अलग होकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की गठन की घोषणा करना और दूसरी अपनी गिरफ्तारी से पूर्व राज्य सरकार के नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप देकर राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाना। उनके नेतृत्व में राजद की सरकार लगभग आठ साल (1997-2005) तक रही थी।

उन्नीस सौ नब्बे के दशक में लालू प्रसाद यादव अपनी चुनावी सभाओं में कहा करते थे कि जब तक 'माय' का आशीर्वाद रहेगा तब तक कोई माई का लाल उन्हें सत्ता से बेदखल नहीं कर सकता। उन्होंने जेपी आंदोलन (1974), जनता पार्टी (1977) और जनता दल (1989) के रास्ते बिहार की राजनीति में करिश्माई नेतृत्व, स्वीकार्यता और लोकप्रियता अर्जित की। फिर एक खास परिस्थिति में राजद (1997) का गठन किया। यह उनके सक्रिय राजनीतिक हस्तक्षेप से अर्जित आत्मविश्वास की एक झलक थी। उसी दौर में केंद्र-राज्य के मद्देनजर झटकते हुए उन्होंने एलान किया कि वे घुटनना टेक नहीं बल्कि सीनातान मुख्यमंत्री हैं। इस प्रकार उनके नेतृत्व उभार से स्थापित होने में स्पष्टवादिता एक रोचक पक्ष रही है।

उनकी भूमिका मंडल आयोग रिपोर्ट को लागू कराना हो या आडवाणी को गिरफ्तार कर बिहार में रथयात्रा से संभावित दंगों को रोकने में हो, दोनों परिघटनाओं ने लालू प्रसाद यादव को पिछड़ों-अकलियतों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया था। अपनी करिश्माई एवं जनवादी नीतियों के मद्देनजर वे समाजवाद, सामाजिक न्याय और सौहार्द के मुखर प्रवक्ता बन चुके थे। अपनी वाकपटुता और जन-संपर्क से राष्ट्रीय राजनीति में भी वे सदैव अग्रणी भूमिका में रहते थे। लगभग एक दशक (2005-15) तक विपक्ष में रहने के बाद जब राजद सत्ता में वापस राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने संघ प्रमुख मोहन भागवत आरक्षण समीक्षा की बात को चुनाव प्रचार में भाजपा विरोध अस्त्र बनाने सफल रहे। परिणामस्वरूप भाजपा को करारी शिकस्त मिली।

राजद सबसे बड़े दल रूप में जीत हासिल की और तेजस्वी प्रसाद यादव विधायक दल के नेता निर्वाचित हुए। महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री भी बने। लालू प्रसाद यादव की अनुपस्थिति उन्होंने एनडीए के खिलाफ बिहार विधानसभा (2020) चुनाव पढ़ाई, कमाई, दवाई, सिंचाई और कारवाई को अभियान का मुख्य बिंदु बनाने में सफल रहे। लगभग सत्रह महीने के कार्यकाल में नौकरी, जाति गणना और आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी को तय करने में तेजस्वी ने अहम भूमिका निभाया। जनवरी 2024 में नीतीश कुमार ने एक बार फिर महागठबंधन से नाता तोड़ा और राजद सरकार से बाहर हुए, लेकिन अल्पकालिक कार्यकाल में पांच लाख नौकरी देने के मुद्दे पर सभी जातियों के युवाओं के बीच तेजस्वी की स्वीकार्यता ज्यादा बढ़ती दिखी। उन्होंने कहा कि राजद सिर्फ माय की पार्टी नहीं बल्कि बाप (बीएएपी) की भी पार्टी है, जिसका तात्पर्य बहुजन, अगड़ा, आधी आबादी (महिला) और पुअर (गरीब) है। मूल आशय था कि यह पार्टी सभी जाति/धर्म के सदस्यों के लिए एक समान है।

अपने सीमित कार्यकाल में दिए पांच लाख नौकरी की चर्चा 'एनडीए के सत्रह साल बनाम सत्रह महीने' को सक्रिय अभियान का हिस्सा बनाया। दरअसल 'ए टू जेड' की राजनीति से तेजस्वी प्रसाद ने समाज के सभी धर्म/वर्ग/जातियों को जोड़ने की शुरूआत की है। इटली के सुविख्यात राजनीतिक विचारक निकोलो मैकियावेली ने की उक्ति यहां समुचित प्रतीत होता है -'प्रत्येक राजनेता अपने समय-देशकाल का शिशु होता है। उसके समक्ष अपनी प्राथमिकताएं एवं चुनौतियां होती हैं।' दूसरे शब्दों में, कहा जा सकता है कि लालू प्रसाद यादव के 'माय' समीकरण की राजनीति आज व्यापक फलक को प्राप्त करता हुआ 'बीएएप' अर्थात समावेशी एवं समदर्शी राजनीति को प्राप्त कर चुका है। यह बिहार जैसे विविधतासम्पन्न राजनीतिक प्रदेश के लिए मील का पत्थर सरीखा उपलब्धि है। इससे समाज के प्रत्येक तबके का सतत एवं सामंजस्यपूर्ण विकास संभव हो सकेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Concerns abound over social media data collection

A bipartisan Bill that would force Chinese tech giant ByteDance, the parent company of TikTok, to sell the social media app or face a ban for all US devices was approved by the US House in March, reflecting the growing multidimensional unease that US lawmakers feel about Big Tech. While President Biden said he would sign the proposed legislation to ban TikTok if the Congress passed it, it's uncertain what will happen to the Bill in the Senate, and its ramifications are neither simple nor straightforward.With nearly 170 million TikTok users in the US, a ban on the app will undoubtedly hurt millions of businesses, deny artistes a platform and ruin the livelihoods of countless creators across the country. Furthermore, as Donald Trump anticipates, it will undoubtedly increase Facebook's dominance. However, national security (or at least a concern on that count) is much more important.

In 2020, then President Trump moved to outlaw TikTok and another popular app, WeChat; later, President Biden reversed that decision. Governments in various countries have banned TikTok on official devices due to concerns about cybersecurity and privacy, perhaps primarily for its Chinese connections. For instance, due to privacy and security concerns, India banned TikTok and dozens of other Chinese apps, including WeChat, in 2020. Several other countries have also enforced a ban on TikTok.

In March 2023, Shou Zi Chew, TikTok's CEO, gave testimony before a US congressional committee. Security experts believe that the US government's current concerns seem to be based primarily on the 'potential' for TikTok to be used for foreign intelligence. US lawmakers continue to perceive that TikTok poses a serious threat to national security because of its ties to China. Secretary of State Antony Blinken has said that TikTok should be "ended one way or another."

Working with a privacy researcher, The Washington Post came to the conclusion in 2020 that TikTok didn't seem to gather any more data than the average major social media platform. A 2022 study by the mobile marketing company URL Genius, however, found that out of all social media apps, consumers' personal data was tracked more by YouTube and TikTok.

But even if TikTok gathers data comparable to that of other major social media platforms like Facebook or X, that's still a significant amount of information. It includes details about the videos users watch, the comments they make, the private messages they send, and, if they consent to this degree of access, their precise geolocation and contact lists. In addition, according to TikTok's privacy statement, the company gathers user data such as email addresses, phone numbers, age, search and browsing histories, details about the images and videos users upload, and, if consented to, the contents of their device's clipboard, allowing them to copy and paste information into the app.As per several studies, TikTok follows users online even when they aren't using the app. TikTok said the information is used to bolster its advertising business. And TikTok is not unusual in this regard; many tech giants employ the same tool on a far greater scale. TikTok is, therefore, merely a product of the broader surveillance capitalism economy, which frequently directs users into rabbit holes of uncertainty.Yes, many of the apps we use collect too much information about us. Typically, they gather users' personal data primarily for their own use to show consumers relevant advertisements. Companies can impact our behaviour in ways we are frequently unaware of by getting more information about our preferences, shortcomings and areas of interest. The Cambridge Analytica incident, however, demonstrated how successfully personal information can be exploited to even sway major elections.However, more than the app itself, TikTok's ownership and governance policies may be the main cause for concern. TikTok doesn't operate in China, but it's apprehended that ByteDance and, by extension, TikTok, may be forced to cooperate with a wide range of security activities, including perhaps the transfer of data, since the Chinese government enjoys significant leverage over businesses under its jurisdiction.

We need to vote wisely for the sake of participative democracy

Freedom during the pre-election phase is an essential precondition for democracy because it prioritises choice.

THERE was a time, not so long ago, when theorists of substantive democracy scoffed at the two presuppositions of minimalist theories of democracies. One, democracy is a method of choosing leaders who will rule the country for the next five years. Two, democracy is valuable because it enables a peaceful transfer of power from one set of political elites to another. For defenders of substantive democracy, this interpretation is simply unpersuasive. Democracy as a form of rule is valuable not only because it grants all eligible citizens the right to exercise their franchise, but also because it enables the realisation of the foundational principles of a good life: liberty, equality, distributive justice, political participation, the rule of law and the accountability of the elected. These are realisable because substantive democracies possess a vibrant civil society, an independent media and an impartial judiciary to defend the rights of citizens.With the onslaught of 'elected authoritarians' — a phrase that is an oxymoron at best — most committed democrats have been compelled to put aside their dreams of substantive democracy and focus their attention on free and fair elections. Ahead of the General Election, it is worthwhile to recollect that the electoral process consists of three phases: the pre-election period, voting and the outcome. No one should be able to tamper with the result. This violates the basic right of individuals to choose their leaders, howsoever fractured the outcome of the election might be. We certainly have to ensure that the pre-election process is free and fair. Think of elections as a gigantic marketplace in which the voter has the choice to cast his vote in favour of candidate X, Y or Z. Freedom during the pre-election phase is an essential precondition for democracy because it prioritises choice.A citizen can only choose if he has options. Without options, the right to choose is completely hollowed out, much like a shopping mall where only one brand is on offer. This is a violation of the basic right to franchise. The right to vote is a basic right, not only because the voter can opt for a candidate or a political party that will rule over him, but also because voting enables him to transition from a subject to a citizen. Members of a society in which one political party dominates like a veritable colossus over the others, either because it has got Opposition leaders imprisoned or has allegedly given directions to freeze an Opposition party's bank accounts, are not citizens who have inviolable rights. They are subjects, much as Indians were subjects of the British Empire. Millions of Indians bravely fought for the independence of their country from British colonialism. What were they fighting for, if not democracy?The shift from substantive democracy to minimal democracy, at least for the moment, is largely due to huge disappointment with the way political parties have misused this form of government. For democrats of this genre, democracy is a 'hurrah' word, simply because it helps realise many things that are of value: from warding off war to ensuring economic growth and wellbeing to making the world a better place to live in. The most persuasive argument for substantive democracy is the right to participate in processes of decision-making protected by a vibrant civil society and the media. This realises the political competence of every individual. Participative or deliberative democracy is a perfect form of modern democracy because it gives each citizen a voice and the right to be heard. Every citizen has the right to be treated with dignity, and the best way to ensure this is to protect a deliberative arena of equals, or at least an arena fired by enthusiasm for equality. A society of equals is a just society.Today, priorities are bound to be different. We always knew that money power ruled. Now we know for certain that politics is bolstered by big businesses, as the data on electoral bonds reveals. Political parties and their agendas are up for sale to the highest bidder. Processes of decision-making are shrouded in secrecy. A section of the media has become servile; appalling poverty and unbelievably vulgar spectacles mounted by the affluent exist cheek by jowl. Social prejudice against minorities is fomented by cynical politicians to cause a divide in public opinion, and unthinkable discrimination continues to dog the disadvantaged.

Our faith in democracy has not been shaken, but our confidence in the party system that throws up politicians who are power-hungry and contemptuous of the fundamental rights granted by the Constitution has been eroded.Indian citizens stand at a crossroads ahead of the Lok Sabha polls. We will vote, but in a society where the advantages of democracy, the rule of law, fundamental rights and an independent media have been steadily whittled away, we are left with only elections.

We have to choose wisely, not to facilitate power-hungry candidates to acquire power, but because we want more. We want the candidates we vote for to contribute to the making of the good society we yearn for.

Progressive guidelines

Catholic body attempts to break down barriers

CITING 'emerging challenges due to the current socio-cultural, religious and political situation' in the country, the Catholic Bishops' Conference of India (CBCI) has issued a set of guidelines for all educational institutions under its jurisdiction. These include recitation of the Preamble to the Constitution by students during the daily morning assembly, showing respect for all faiths and traditions, not forcing Christian traditions on students of other religions, and setting up an inter-religious prayer room on the campus. The CBCI, the apex decision-making body of the Catholic community in India, has about 14,000 schools, 650 colleges, seven universities, five medical colleges and 450 technical and vocational institutions under its aegis. It is commendable that this influential association has taken the initiative to promote religious and cultural sensitivity and encourage respect for diversity among students as well as staff members.

The Preamble, which is regarded as the soul of the Constitution, showcases the core constitutional values of justice, equality, liberty and fraternity. Displaying it at the entrance to the school building and making students recite it in the assembly will go a long way in inculcating these values in them.Giving utmost importance to the dignity of the individual and the unity and integrity of the nation can help the children grow into mature and responsible citizens with a secular outlook. This is imperative in view of the all-pervasive polarisation in the country. The CBCI guidelines can serve as a model to be emulated by all educational institutions with religious affiliations. The Supreme Court had shown the way in January this year by observing that the right of minorities to establish and administer any educational institution under Article 30(1) of the Constitution was not meant to ghettoise any community. A welcoming and harmonious environment on every campus would be an apt tribute to the framers of the Constitution and a key step towards building a truly developed India.

A below-the-belt blow on poll eve

Kejriwal's arrest has shaken the conscience of the nation's right-thinking citizens

I have met Arvind Kejriwal only once. It was sometime in 2005 or 2006 at a meeting of trustees of the Public Concern for Governance Trust (PCGT). BG Deshmukh, former Cabinet Secretary and former Principal Secretary to the Prime Minister, was the trust chairman at that time. Kejriwal had been invited to meet the trustees and explain to them the work he was doing to combat corruption in the Income Tax (I-T) Department in New Delhi.Kejriwal was a regular recruit to the Indian Revenue Service through the UPSC's civil services examination, the one in which Deshmukh and I had appeared years earlier — Deshmukh got into the IAS and I into the IPS.Kejriwal used to arrive for work an hour before the official time and set up a small table with a chair outside the central I-T office. Applicants for I-T refunds or PAN cards could take his help to get their work completed expeditiously without payment of 'speed money'. It worked, but not without ruffling feathers. He displeased many of his colleagues. How many of them are in the Enforcement Directorate (ED) today? Are any of them handling the investigation against him?Since the PCGT had been established for the express purpose of improving the quality of life of the common resident of Mumbai by monitoring governance, Kejriwal told us of an NGO in the national capital that he was mentoring so that people's woes could be addressed. The trustees of the PCGT were impressed with his commitment to the cause of integrity and justice.Would, nay could, a man so devoted to values of good governance transform overnight into an ogre bent on fattening himself on filthy lucre? To those who have had a glimpse of his personality, his thinking and his attitude of mind and heart, it seems impossible. Like in the case of AAP MP Sanjay Singh, no money has been traced to him.The next time Kejriwal came to my attention was when he rode on the back of that great exponent of good conduct and honest, simple living — Anna Hazare. Now, Anna was an institution in my state, Maharashtra. Like many people there, I know most things about Anna. I interacted with him on more than a couple of occasions. Anna is a simple man, but since he has been lionised and feted by so many individuals so many times, the adulation has affected his capacity to weigh possibilities and probabilities calmly.The combination of Anna and Kejriwal had the promise of becoming a game-changer. But Kejriwal had other ideas. These ideas were not anticipated by Anna or by most citizens who applauded the two for raising the banner of revolt against one of the two biggest impediments to India's progress — corruption (the other is communalism). Just as the battle was taking a winning turn, Kejriwal announced his intent to enter the political arena by forming the Aam Aadmi Party (AAP).

This decision dismayed Anna and sundry other admirers like me. He saw in this move a betrayal by a man in whom he had placed his trust. Anna had always dreamed of himself as a moral force who kept away from the spoils that politics engenders. But that is a different story. Today, we are concerned with the BJP's intricate plan of extinguishing all credible opposition to its political hegemony.

Kejriwal is accused of unfairly tweaking the Delhi Government's excise policy for the sale of liquor in the Capital. If he had a hand in shaping or changing that policy, I would not be surprised. All political parties need money to operate. They have no means of financing their activities, except kickbacks from contracts and dispensation of favours to business houses. Turnkey deals like the purchase of the Bofors guns or the Rafale jet fighters are the most obvious temptations. Every citizen knows that this is routinely done by governments and condemned by Opposition parties. But the Indian citizen is impervious to such peccadilloes. She/he has accepted it as inevitable.What the citizen is not accustomed to is the single-minded hounding of Opposition parties and their leaders by unleashing the ED and the I-T authorities relentlessly on their opponents to ensure an Opposition-mukt Bharat. Kejriwal's arrest has shaken the conscience of the nation's right-thinking citizens even more than the I-T Department's initial order freezing the Congress' bank accounts for the recovery of I-T dues (coercive action has now been put on hold). These are below-the-belt blows delivered by a boxer who viciously pulverises his opponent even though the latter is losing!The BJP conceived of electoral bonds for financing the costs of fighting elections. Its pickings would hurtle it to victory because Opposition parties would be left with the crumbs. In a country where money is used to buy votes and bring down governments formed on the basis of the people's mandate, it is not surprising that an up-and-coming party like AAP would formulate a scheme to add substance to its piggy bank.Kejriwal has certainly not used any of the money his party has raised via the alleged kickbacks from liquor dealers, whether they hailed from the South or the North, for his personal expenses. If that is the allegation against him, no one will believe that such a thought could even enter his mind. It is equivalent to accusing the chowkidar of being a thief!

Among the witnesses the ED has stacked up to prove Kejriwal's guilt, the main one is a co-accused who has turned approver on the promise of a pardon. That same approver bought electoral bonds worth crores of rupees days after he turned approver and was set free on bail. The approver's father, Magunta Sreenivasulu Reddy, has been given the ticket by the Telugu Desam Party, a BJP ally, from the Ongole Lok Sabha seat in Andhra Pradesh.

The old man who delivers my newspapers is my sounding board for what the poorer citizens think of political events. "Poor Kejriwal," he said, "he had done much for the jhuggi-jhopri dwellers of Delhi in the fields of education and health and given them free electricity. Now, he will languish in jail unless he joins the BJP."

Strides Pharma gets two US FDA observations after Chennai plant inspection

New Delhi. Strides Pharma Science Limited, a leading pharmaceutical company, announced today that its wholly-owned subsidiary, Strides Alathur Private Limited, received two observations during a routine current Good Manufacturing Practices (cGMP) inspection conducted by the United States Food and Drug Administration (USFDA). The inspection took place at the company's formulations facility in Alathur, Chennai, from April 1 to April 5, 2024.The USFDA conducts regular inspections of pharmaceutical

manufacturing facilities to ensure compliance with cGMP regulations. Observations made during these inspections are common and do not necessarily imply any significant non-compliance issues.Companies are required to address these observations and provide a detailed response to the regulatory agency. The agency then takes a final decision before closing the matter.Strides Pharma Science stated that the company would comprehensively respond to the observations within the stipulated time and will keep investors updated.Strides Pharma Science Limited is a global pharmaceutical company headquartered in Bangalore, India, with a focus on developing and manufacturing a wide range of IP-led niche pharmaceutical products. The company has a strong presence in the regulated markets of the United States, Europe, and Australia, as well as in emerging markets.

Sanlam raises stake in Shriram insurance arms to over 50%

MUMBAI. South African financial services major Sanlam Group, which has a joint venture with Chennai-based Shirram group for its insurance ventures, has bought out the stake held by PE major TPG in both general and life insurance entities for an undisclosed sum. With this, the group increased its holding in these companies to over 50%.In a statement on Friday, Sanalm said its wholly-owned subsidiary Sanlam Emerging Markets Mauritius, has agreed to buy the stakes that TPG India Investments has been holding in the insurance verticals of the Shriram group.TPG held 6.29% in Shriram General Insurance and 7.04% in Shriram Life. TPG entered the Shriram Group holding firm Shriram Capital in 2011 by investing Rs 795 crore. But after the merger of the finance verticals of the group, the PE got these stake being sold now in these two entities, a company source told this newspaper.t said raising stakes in these JV recognises India as a core market and strategic pillar to achieving long term earnings growth and sustainable shareholder value creation for them.

Forex Update: India's Foreign Exchange Reserves Hit Fresh All-Time High of $645.58 Billion

NEW DELHI. India's foreign exchange reserves increased $2.951 billion to $645.583 billion for the week ended March 29, according to the latest RBI report. This is the sixth consecutive week of a jump in overall reserves. The kitty had increased $140 million to $642.631 billion in the previous reporting week.Earlier, the country's forex kitty had in September 2021 reached an all-time high of $642.453 billion. The reserves took a hit as the central bank deployed the kitty to defend the rupee amid pressures caused majorly by global developments since last year.For the week ended March 29, the foreign currency assets, a major component of the reserves, increased $2.354 billion to $570.618 billion, data released on Friday showed.

Expressed in dollar terms, the foreign currency assets include the effect of appreciation or depreciation of non-US units like the euro, pound, and yen held in the foreign exchange reserves.Gold reserves increased $673 million to $52.16 billion during the week, the RBI said. The Special Drawing Rights (SDRs) were down $73 million to $18.145 billion, the apex bank said.India's reserve position with the IMF was also down $2 million to $4.66 billion in the reporting week, the apex bank data showed.

The rupee currently stands at 83.31 against the US dollar.

Anil Kumar Bhansali, head of treasury and executive director of Finrex Treasury Advisors LLP, said, "The domestic currency Rupee is expected to be in a broad range of 83-83.50 as RBI supports the upside and down side of the currency pair. Exporters to sell for near term at 83.40 and above and importers to buy dips."

ZEEL Begins Process To Lay Off 15% Of Its Workforce; Check Details

NEW DELHI.ZEE Entertainment Enterprises Ltd (ZEEL) has started a process of rationalisation of the workforce by 15 per cent to prune staff strength across the company. In a regulatory filing, ZEEL said its MD & CEO Punit Goenka has proposed a lean organisation structure to the board with a lateral structure while identifying broadcast, digital, movies and music as core business units."In line with his overall strategic approach, the MD & CEO has initiated the process of rationalisation of the workforce by 15 per cent, that will prune the staff strength across the company to arrive at a streamlined team that is sharply focused on the set goals for the future," the company said. As per ZEEL's annual report for 2022-23, the number of permanent employees on the roll of the company is 3,437.ZEEL said the proposed structure is aimed towards arriving at a cost-effective operational model with speed and agility as the core areas of focus. "It will further enable the company to chart higher growth by maintaining a keen eye on performance and profitability, thereby seamlessly executing its strategic priorities as required for a content creation company," the filing said.The proposed team structure will foster a more collaborative performance-oriented culture, it added. "In the lateral structure, the MD & CEO has also proposed the elevation of certain team members across businesses, in order to provide them a higher level of responsibilities; besides him assuming direct charge of the critical business verticals leading to cross-functional collaboration, quick decision making and higher productivity levels," the company said.ZEEL, however, said the detailed composition of the new operating structure will be announced after seeking the required approvals and guidance from the board. "Building a simplified, lateral structure for the company, will ensure that we maintain a sharp focus on performance and profitability as the key growth drivers, and the structure proposed to the board is in line with this core thought. The streamlined team at ZEE will maintain a sharper focus on targeting higher levels of productivity to drive growth in order to generate value for all our stakeholders going forward," Goenka said.

ZEE Entertainment Enterprises Ltd

ZEEL Chairman R Gopalan said the board has noted Goenka's steps taken to streamline the organisation and the proposed lean structure. "While the board is in the process of discussing the same, the proposed structure certainly is in line with the strategic guidance provided to the management. The board appreciates the steps taken by the management to enhance the overall performance of the company, reaffirming our faith in the team's ability to drive the company towards its set targets for the future," he added.ZEEL said the core business units of the proposed structure will include broadcast, digital, movies and music. The linear business will continue to be a strong growth driver for the company with a vast portfolio of channels across genres, catering to the consumers' every entertainment need, it said, adding the digital business will be a core area of focus combining the best of content and technology to deliver a compelling value proposition for the consumers.

Apple lays off more than 600 employees in the US

NEW DELHI. Apple Inc recently laid off more than 600 employees in California, the US, a move linked to the company's decision to discontinue its car project and in-house efforts to build Apple Watch displays.Both projects were shelved in February 2024. The car project's cancellation stemmed from executive indecision regarding its direction and mounting cost concerns. Similarly, the smartwatch display programme faced engineering hurdles, supplier challenges, and ultimately proved too expensive to continue. This information comes from WARN notices, or worker adjustment and retraining notification filings, submitted by Apple to the California Employment Development DepartmentThese filings are required by law when a company conducts mass layoffs. To comply with the regulations,

Apple filed eight separate reports, each detailing layoffs at a specific California location. Nearly 87 of the affected employees worked at a facility dedicated to Apple's next-generation screen development, while others were located for the car project.The brunt of the layoffs impacted Apple's main car-related office in Santa Clara, California, where 371 employees were let go. Dozens more working in satellite offices also lost their jobs. However, some members of the car team were reportedly reassigned to other areas within Apple, including artificial intelligence and personal robotics.aIt's important to note that the WARN notices might not capture the full scope of job reductions. Apple likely had engineers working on these projects in other locations, such as Arizona. Historically, layoffs haven't been a common occurrence at Apple, unlike other ech giants like Alphabet, Amazon, and Microsoft.

Car, watch display units impacted

The brunt of the layoffs impacted Apple's main car-related office in Santa Clara, California, where 371 employees were let go. Dozens more working in satellite offices also lost their jobs

India prepares for 'One Airspace': Unified air traffic control plans set in motion - what it means

New Delhi. India to soon have 'One Airspace': India is moving forward with a plan to streamline its airspace management to enhance efficiency and reduce emissions. The initiative aims to consolidate control over the airspace spanning 2.8 million square nautical miles, currently divided into four regions, under a unified command center in Nagpur. The aim is to 'unify' the airspace.Officials told ET that this strategic move is expected to optimize air traffic management, benefiting airlines through cost savings and improved safety measures. The Airports Authority of India (AAI) has initiated the process by inviting bids from consultants to obtain technology from global companies and implement advanced technology solutions for a single air traffic management system.The comprehensive program, projected to span over eight years, includes infrastructure development, controller training, and migration to the new system. Once fully operational, the unified airspace strategy will enable airlines to identify more efficient flight routes, resulting in reduced travel time and fuel consumption. By facilitating consistent flight patterns at higher altitudes and smoother descents for landing, the initiative aims to enhance operational efficiency.Senior air traffic control officials emphasized the current challenges of coordinating flights across different regions and the anticipated simplification with the centralized control in Nagpur. "Currently, when an aircraft passes over the Indian region, the controllers have to hand it over to the other region, which includes a lot of coordination especially over busier air routes," an official was quoted as saying. "Once a single unified sky is achieved, almost 75-80% of controllers will be based in Nagpur, reducing the need for coordination, leading to less stress and fatigue. Single coordination also allows restructuring of air routes, opening up more fuel-efficient routes for airlines," the official said.This shift is expected to significantly reduce coordination efforts, alleviate stress, and enhance operational fluidity for pilots as well. Pilots welcomed the initiative, noting that it would streamline communication processes and reduce cockpit workload. The unified airspace management system will provide pilots with advance information on altitude and routing, enabling smoother transitions across regions and minimizing the need for frequent radio frequency changes."You get to know your altitude, routing well in advance and if you are flying above 25,000 feet, you can overfly with complete radio silence without seeking multiple clearances and reducing communication with the ATC (air traffic control)," a senior commander was quoted as saying.The decision to enhance airspace efficiency aligns with the growing demand for air travel in India, as seen by the substantial increase in aircraft orders by domestic carriers. Civil aviation minister Jyotiraditya Scindia has in the past highlighted the significant growth in the Indian aviation sector, with projections indicating a doubling.

War of Words! Now, former CEA Krishnamurthy Subramanian says IMF GDP forecasts for India

NEW DELHI. War of Words! Krishnamurthy Subramanian, the Executive Director at the International Monetary Fund has said that the IMF's GDP growth forecasts for India have been consistently 'INACCURATE'. In contrast, he claimed that his predictions of India's GDP growth have been accurate. The issue stems from IMF spokesperson Julie Kozack recently stating that Krishnamurthy Subramanian's 8% GDP growth forecast for the Indian economy does not represent that of the International Monetary Fund. Krishnamurthy Subramanian has previously served as a Chief Economic Advisor for the government of India.

IMF had clarified that the recent growth projections made by Krishnamurthy Subramanian, the Executive Director representing India at the IMF, do not reflect the official views of the organization.

In response to Subramanian's remarks predicting an 8 percent growth rate for India, IMF spokesperson Julie Kozack stated that his comments were made in his capacity as India's representative. "The views conveyed ...by Mr. Subramanian were in his role as India's representative at the IMF," she said according to a PTI report. Kozack highlighted the distinction between the views of individual representatives like Subramaian and the IMF's official projections.Post IMF's clarification, Subramanian in a post on Twitter (formerly X) said, "During my tenure at @IMFNews (since Nov-22), IMF staff's estimate of India's growth rate has been consistently INACCURATE. While India's growth has been >7%, IMF staff estimates have all been <7%. In contrast, I've made accurate predictions. See my Sep-21 prediction - Expect more than 7% growth for India this decade: CEA Subramanian.

And actual growth FY21-22=9.7%; FY22-23=7.0%; FY23-24 (estimate)=7.6%. The Data speaks!""In contrast, check IMF staff predictions. For FY 23-24, in Nov-22 and Jan-23, IMF staff predicted growth=6.1%. In Apr-23, they lowered it to 5.9%. In Nov-23, they predicted 6.3%. And actual growth estimate (NSSO) for FY23-24 =7.6%; IMO, will be revised to ~8%," he wrote."So, IMF staff's error margins are HUGE: 1.9% in Nov-22 & Jan-23 estimates, 2.1% in Apr-23 estimate, and 1.7% in Nov-23 estimates. Similarly, even FY23-24 growth estimates of IMF staff <7%. Data clearly shows whose prediction is more accurate! Need I say more?", he added.Subramanian had recently expressed optimism about India achieving an 8 percent growth rate until 2047 if the country continues its current policies and accelerates reforms.So, the basic idea is that with the kind .

Reserve Bank leads surge in gold reserves amid global central bank slowdown

NEW DELHI. The Reserve Bank of India (RBI) stood out with its continued accumulation of gold reserves. Weekly data from the RBI revealed a 6-tonne increase in gold holdings in February alone.This brings the total year-to-date buying by the RBI to over 13 tonnes, with total gold reserves now reaching 817 tonnes.India's consistent efforts to bolster its gold reserves reflect a strategy aimed at diversifying its foreign exchange reserves and mitigating risks associated with currency fluctuations and economic uncertainties.While India remains a significant player in the global gold market, other central banks also contributed to the accumulation in February.Central banks around the globe continued their steady accumulation of gold reserves, albeit at a slower pace compared to the previous month, in February.This trend has been predominantly driven by emerging market banks, particularly those of India and China, as reported by the World Gold Council.According to a report Published in the World Gold Council by Senior Analyst, EMEA World Gold Council,

Krishna Gopal, global central banks increased their gold reserves by a net of 19 tonnes in February.

While this marks the ninth consecutive month of growth, it represents a significant slowdown from January, with a 58 per cent decrease in net purchases.Despite the deceleration, the broader trend of central bank buying remains intact. Year-to-date data for January and February shows an addition of 64 tonnes, indicating a fourfold increase compared to the same period in 2022, although it's notably 43 per cent lower than the corresponding period in 2023.

The People's Bank of China (PBoC) emerged as the largest buyer during the month, increasing its gold reserves by 12 tonnes.However, amid the overall trend of accumulation, there were notable instances of selling as well.Despite the slower pace of accumulation witnessed in February, analysts remain optimistic about the outlook for central bank demand for gold.he broader trend indicates a continued interest among central banks in diversifying their reserve assets, particularly amidst geopolitical uncertainties and economic volatility.Looking ahead, market observers anticipate the release of the next Gold Demand Trends report in late April, which will provide comprehensive insights into central bank demand for the entire first quarter of the year.Overall, while the pace may have moderated in February, the underlying trend suggests that central banks, including India's RBI, remain committed to bolstering their gold reserves as a strategic hedge against global economic uncertainties.

India abstains on UN resolution on Gaza truce, accountability for 'war crimes'

India on Friday abstained on a UN resolution against Israel calling for an immediate ceasefire in Gaza and urging an obligation to ensure accountability and justice for war crimes.

New Delhi. India on Friday abstained from voting in favour of a resolution by the UN Human Rights Council (UNHRC) calling for an immediate ceasefire in the Gaza Strip and demanding the cease of the sale, transfer and diversion of arms, munitions and other military equipment to Israel. The resolution also called upon an obligation to ensure accountability and justice for war crimes (violations of human rights) in Palestine, including East Jerusalem.India was among 13 countries who abstained on the resolution, along with Japan, The Netherlands, France and Romania.As many as 28 countries voted in favour of the resolution, including China, Brazil, Indonesia, Bangladesh, Maldives, UAE, Qatar, and South Africa, among others.

The draft resolution titled 'Human rights situation in the Occupied Palestinian Territory, including East Jerusalem, and the obligation to ensure accountability and justice' was adopted by the Geneva-based UNHRC. It also demanded that Israel "end its occupation of the Palestinian territory", including East Jerusalem since 1967."The Council also demanded that Israel immediately lift its blockade on the Gaza Strip and all other forms of collective punishment, and called for an immediate ceasefire in Gaza. The Council called upon all States to take immediate action to prevent the continued forcible transfer of Palestinians within or from Gaza," a statement by the UNHRC read.The resolution condemned Israeli actions that may amount to ethnic cleansing in Palestine, and called upon all states to take immediate action to prevent the continued forcible transfer of Palestinians within or from Gaza.

It further urged an urgent "restoration of basic necessities to the Palestinian population in Gaza" and urged all states to continue providing emergency assistance to the Palestinian people.The UNHRC resolution also condemned the targeted killing of civilians in Hamas's October 7, 2023 attack in Israel and demanded the immediate release of remaining hostages as well as ensuring immediate humanitarian access to them in line with international law.

INDIA'S VOTE IN FAVOUR OF UN RESOLUTIONS

The UNHRC adopted five resolutions, of which India voted in favour of three. The country was among 42 who voted in favour of a resolution on the rights of the Palestinian people to self-determination. India also voted in favour of a resolution, along with 28 countries, demanding Israel to immediately cease all settlement-related plans and activities in the occupied Syrian Golan.Another resolution calling for Israel to immediately "end without delay" its occupation of Palestinian territory, including East Jerusalem, and the occupied Syrian Golan, occupied since 1967, was also voted in favour by India.A resolution titled 'Rights of the child: realising the rights of the child and inclusive social protection' was adopted by the UNHRC without a vote.

5 Lakh Per Newborn: How Delhi's Child-Trafficking Racket Unravelled

New Delhi. The Central Bureau of Investigation (CBI) raided several locations across Delhi in connection with child trafficking. Two newborn babies were rescued from a house located in Keshavpuram, shedding light on a sinister underworld of infant trade.

According to CBI sources, newborns were being bought and sold as commodities in the black market. The CBI is currently in the midst of interrogating all parties

involved, including both the woman who sold the children and the buyers themselves.The scope of this operation extends far beyond the borders of Delhi, with the CBI making arrests of individuals involved in trafficking seven to eight children across the National Capital Region (NCR).

Among those arrested are a hospital ward boy and several other women. According to CBI sources, approximately 10 children have been sold within the past month alone.The CBI investigation has now spread its reach across multiple states, with several major hospitals coming under intense scrutiny. Newborns were being sold for exorbitant sums ranging from ? 4 to 5 lakh, the sources said.

Another Indian Student Dies In US, 10th Incident This Year

New Delhi. An Indian student has died in the US state of Ohio, the Indian Consulate in New York said on Friday, adding that an investigation is underway to ascertain the cause of death.

The student, identified as Uma Satya Sai Gadde, was pursuing his education in Ohio's Cleveland. The Indian Consulate expressed deep sorrow over the loss and extended condolences to the bereaved family. They assured that every possible support, including facilitating the transportation of his body to India, is being provided to the family during this distressing time."Deeply saddened by the unfortunate demise of Mr. Uma Satya Sai Gadde, an Indian student in Cleveland, Ohio," the Indian Consulate in New York wrote in a post on X. "Police investigation is underway. @IndiainNewYork continues to remain in touch with

the family in India. All possible assistance is being extended, including to transport Mr Uma Gadde's mortal remains to India at the earliest."

This incident marks yet another episode in a concerning trend of deaths involving Indian-origin students in the United States. In March, another Indian student, Mohammed Abdul Arafat, went missing from the Cleveland area under mysterious circumstances. His family then received a ransom call demanding payment for his release.

Earlier this year, Syed Mazahir Ali, a student from Hyderabad, was brutally attacked in Chicago, leaving him severely injured. The Indian Consulate in Chicago promptly intervened, offering support to Mr Ali and his family. The death of Neel Acharya, a student at Indiana's Purdue University, and the brutal killing of Vivek Saini in Georgia, sent shockwaves among the Indian community in the US.

Anti-Terror Agency Identifies Key Accused Who Carried Out Bengaluru Café Blast

Several people were injured in the blast at the Rameshwaram Cafe.

New Delhi. The National Investigation Agency (NIA) has identified Mussavir Hussain Shazib as the key accused who carried out the blast at a cafe in Bengaluru on March 1 and Abdul Matheen Taahaa as the co-conspirator.As part of the efforts to locate and arrest the accused who are on the run, the NIA has conducted searches at 18 locations in Karnataka, Tamil Nadu and Uttar Pradesh, an NIA spokesperson said.

In the Rameshwaram Cafe blast case, the NIA has identified the accused person who carried out the IED blast as Mussavir Hussain Shazib and the co-conspirator as Abdul Matheen Taahaa, both residents of Thirthahalli in Shivamogga district of Karnataka.Several people were injured in the blast at the cafe located at ITPL Road, Brookefield, Bengaluru.Further, as part of the investigation, Muzammil Shareef, a resident of Khalsa, Chikkamagaluru, who extended logistics support to the main accused persons, was arrested on March 26 and was examined in police custody, the spokesperson said.The agency had declared rewards of ? 10 lakh on information leading to the arrest of each person on the run on March 29.The NIA has been summoning and examining all acquaintances, including college and school friends, of the accused who are on the run and those who have been arrested to gather evidence and information in the case, the spokesperson said.It being a terror incident, any information on the identity of the witnesses may put them at risk in addition to hampering the investigation. Also, unverified news items hamper effective investigation in the case, the agency said.The NIA has sought the cooperation of all for the arrest of the accused who are on the run, the spokesperson said.

Kamal Nath Aide And Ex-Congress Minister Joins BJP Ahead Of Polls

MP Chief Minister Mohan Yadav welcomed Dipak Saxena, a close aide of senior Congress leader Kamal Nath, into the ruling party.

Bhopal. Former Madhya Pradesh minister and four-time Congress MLA from Chhindwara Dipak Saxena and his supporters joined the BJP on Friday night.MP Chief Minister Mohan Yadav welcomed Mr Saxena, a close aide of senior Congress leader Kamal Nath, into the ruling party.

Mr Saxena, who quit the Congress on March 22, said he was joining the BJP as he was influenced by the works of Prime Minister Narendra Modi, Home Minister Amit Shah, CM Yadav and state BJP chief VD Sharma. Earlier, his son Ajay Saxena had joined the BJP."The Congress has become aimless under Kamal Nath's son Nakul Nath, sitting MP from Chhindwara. My father was being marginalized and the workers too were being ignored in Chhindwara for the last six years. That is why my father took the decision to part ways with the Congress," Ajay Saxena said.Dipak Saxena had quit his Assembly seat when Kamal Nath became CM in 2018 so that latter could become an MLA.On March 29, Kamal Nath loyalist and Amarwara MLA Kamlesh Pratap Shah crossed over to the BJP. Mr Shah has won the Amarwara seat thrice in a row.In the November 2023 MP assembly polls, the Congress had won all the seven assembly seats of Chhindwara district. The BJP is making all efforts to ensure it wrests Chhindwara, the only seat the Congress had won in MP in the 2019 Lok Sabha polls.

"Loyalty Should Be With...": Chief Justice To Judges Ahead Of Lok Sabha Polls

New Delhi. While every Indian is likely to harbor a political ideology or inclination, Chief Justice of India DY Chandrachud emphasized today that the loyalty of lawyers and judges should be directed towards the Constitution. Making the remarks just days before the Lok Sabha elections begin, the Chief Justice stressed the need for judges to be non-partisan.

"In a vibrant and argumentative democracy like ours, most individuals have a political ideology or inclination. Aristotle said human beings are political animals, and lawyers are no exception. However, for members of the bar one's highest loyalty should not lie with partisan interests but with the court and the constitution," DY Chandrachud said at the centenary year celebration of the High Court Bar Association of Nagpur.He reiterated that the judiciary has consistently risen to the occasion to "assert its independence and non-partisanship, ensuring the separation of powers from the executive, the legislature, and vested political interests."

We must not forget, however, that there is a close link between the independence of the judiciary and the independence of the bar," the CJI emphasized.He underscored that an independent bar serves as a "moral bulwark to safeguard the rule of law and constitutional governance."The CJI said the judgments of the Supreme Court's constitutional benches represent the culmination of rigorous proceedings, thorough legal analysis, and a commitment to constitutional principles.

"Once a judgment is pronounced, it becomes public property. As an institution, we have broad shoulders. We are prepared to receive both praise and criticism... commendations and critiques, whether through journalistic pieces, political commentary, or on social media," he asserted.owever, as members and office-bearers of bar associations, lawyers must maintain a distinction from laypersons when reacting to court judgments, he added.

In Poll Manifesto, Congress Vows Law For Civil Unions Of LGBTQIA+ Couples

The assertion by the Congress on reforms of personal laws but with the consent of the communities concerned comes amid a push by the ruling Bharatiya Janata Party (BJP) to bring in a Uniform Civil Code.

New Delhi. The Congress on Friday said if it comes to power at the Centre, after wide consultations, it will bring a law to recognise civil unions between couples belonging to the LGBTQIA+ community.

In its manifesto for the upcoming Lok Sabha polls, the opposition party also said it will encourage reforms of personal laws but asserted that such reforms must be undertaken with the participation and consent of the communities concerned.The assertion by the Congress on reforms of personal laws but with the consent of the communities concerned comes amid a push by the ruling Bharatiya Janata Party (BJP) to bring in a Uniform Civil Code.

The Congress also said it will respect and uphold the fundamental right to practise one's faith and the rights guaranteed to religious minorities under articles 15, 16, 25, 26, 28, 29 and 30 of the Constitution."After wide consultation, Congress will bring a law to recognise civil unions between couples belonging to the LGBTQIA+ community," the manifesto said.LGBTQIA stands for Lesbian, Gay, Bisexual, Transgender, Queer, Intersex and Asexual. The additional "+" stands for all of the other identities not encompassed in the short acronym."We will also respect and uphold the rights of linguistic minorities guaranteed under Articles 15, 16, 29 and 30 of the Constitution," the Congress said.

The party also promised to encourage and assist students and youngsters belonging to the minority communities to take full advantage of the growing opportunities in education, employment, business, services, sports, arts and other fields."We will restore the Maulana Azad Scholarships for study abroad and increase the number of scholarships," the manifesto said.Noting that the economic empowerment of the minorities is a necessary step for India to realise its full potential, the Congress said it will ensure that banks provide institutional credit to minorities without discrimination."We will ensure that the minorities receive their fair share of opportunities in education, healthcare, public employment, public work contracts, skill development, sports and cultural activities without discrimination," the party said.

The Congress said it will ensure that like every citizen of the country, the minorities too have the freedom of choice of dress, food, language and personal laws."We will encourage reform of personal laws. Such reform must be undertaken with the participation and consent of the communities concerned," it said.

The Congress promised to meet the long-standing demands for the inclusion of more languages in the Eighth Schedule to the Constitution.The manifesto, focusing on five "pillars of justice" and 25 guarantees under those, was released at the AICC headquarters on Friday in the presence of Congress president Mallikarjun Kharge and former party chiefs Sonia Gandhi and Rahul Gandhi.The Lok Sabha polls are scheduled to be held in seven phases starting April 19 and the counting of votes will be taken up on June 4.

NEWS BOX

Bird flu alert in US after Texas man gets infected with virus

Washington DC. The US Centers for Disease Control and Prevention (CDC) on Friday (local time) issued a health alert to inform clinicians, state health departments and the public of a case of avian influenza in a person who had contact with dairy cows presumed to be infected with the virus.The farm worker from Texas was reported to be infected on April 1, making it the second case of the H5N1 strain of avian influenza, commonly known as bird flu, identified in a person in the US.It follows a 2022 case in Colorado and comes as the virus is spreading to new mammals, including dairy cattle, for the first time.

To prevent infection from the virus, the CDC recommends the use of personal protective equipment (PPE), testing, antiviral treatment, patient investigations and monitoring of persons exposed to sick or dead, wild and domesticated animals and livestock that may have been infected with the virus.Earlier this week, the CDC said the infection does not change the risk assessment for the US general public from H5N1 bird flu, which it considers to be low. The Texas patient's only symptom was eye inflammation, according to the state's health department.

Donald Trump demands new judge ahead of hush money criminal trial

New York, Former US President Donald Trump is demanding a new judge just days before his hush money criminal trial is set to begin, rehashing longstanding grievances with the current judge in a long-shot, eleventh-hour bid to disrupt and delay the case.

Trump's lawyers, echoing his recent social media complaints, urged Manhattan Judge Juan M Merchan to step aside from the case, alleging bias and a conflict of interest because his daughter is a Democratic political consultant. The judge rejected a similar request last August.In court papers made public on Friday, Trump's lawyers said it was improper for Merchan "to preside over these proceedings while Ms Merchan benefits, financially and reputationally, from the manner in which this case is interfering" with Trump's campaign as the presumptive Republican presidential nominee.The trial is scheduled to begin April 15. It is the first of Trump's four criminal cases scheduled to go to trial and would be the first-ever criminal trial of a former president.

Merchan didn't immediately rule. The decision is entirely up to him. If he were to exit, it would throw the trial schedule into disarray, giving Trump a long-sought postponement while a new judge gets up to speed.

Messages seeking comment were left for a court spokesperson and Merchan's daughter, Loren Merchan. The Manhattan district attorney's office said it saw no reason for Merchan to step aside.The defence's claims that Loren Merchan was profiting from her father's decisions require "multiple attenuated factual leaps here that undercut any direct connection" between her firm and this case, prosecutor Matthew Colangelo wrote in a letter to the judge.

"This daisy chain of innuendos is a far cry from evidence" that Judge Merchan has a direct, personal or financial interest in reaching a particular conclusion, Colangelo wrote.Loren Merchan is president of Authentic Campaigns, which has collected at least $70 million in payments from Democratic candidates and causes since she helped found the company in 2018, records show.The firm's past clients include President Joe Biden, Vice President Kamala Harris and Senate Majority PAC, a big-spending political committee affiliated with Senate Majority Leader Chuck Schumer. Senate Majority PAC has paid Authentic Campaigns $15.2 million, according to campaign finance disclosures.In a separate development on Friday, Merchan blocked Trump's lawyers from forcing NBC to provide them with materials related to its recent documentary about porn actor Stormy Daniels, a key prosecution witness. He ruled that the defence's subpoena was "the very definition of a fishing expedition" and didn't meet a legal burden for requiring a news organisation to provide access to its notes and documents.

Fire outside US senator's office in Vermont, arson suspected

A fire broke out outside US Senator Bernie Sanders' office in Burlington, Vermont, by an unknown suspect who remains at large. The fire caused minor damages, while no injuries were reported.

Burlington Police in Vermont are seeking a suspect who allegedly started a fire Friday outside the office of US Sen. Bernie Sanders. The small blaze caused minor damages but no injuries.uthorities say an unknown male suspect sprayed what they described as a possible accelerant on the office door, set it on fire and fled. They said the suspect remained at large and no motive had been established."The sprinkler system then engaged and largely extinguished the fire."

Earlier in the day, the Burlington Fire Department said it responded to a call on Friday morning and found a fire

between the vestibule, the elevator and the entrance door of Sanders' third-floor office in Burlington. The office door suffered moderate fire damage and much of the third floor sustained significant water damage. The offices of Sanders and those nearby were evacuated.

A spokesperson for Sanders did not immediately respond to a request for comment. Sanders was not at the office.

France: Schoolboy dies after attack as Macron warns of teenage violence

world. .A teenage schoolboy died on Friday after he was badly beaten near his school in a town south of Paris as President Emmanuel Macron warned schools should be protected from "uninhibited violence" among some youths.The 15-year-old boy suffered cardiorespiratory arrest after he was attacked by three people wearing balaclavas on Thursday, according to a police source, leading to his death the following day.Thursday's attack comes at a time of heightened tensions in French schools.Jean-Marie Vilain, the mayor of Viry-Chatillon, said the boy was walking home after a music class when he was set upon by "the worst kind of thugs". "This extreme violence is becoming commonplace," he added. Government spokeswoman Prisca Thevenot denounced what she called a "barbaric crime."Till now five people, including a 17-year-old, and 20 year old, linked to the attack have been arrested.

An anonymous student said that the schoolboy, identified as Shamseddine, "got on well with everyone."

This was the second assault this week. Earlier a teen girl was left temporarily comatose after being attacked outside her school in the southern city of Montpellier on Tuesday. The victim, identified as Samara, was allegedly attacked by three people.

The police had already arrested three people including a 14-year-old girl from the same school in the city's low-income area of La Mosson-La Paillade, and two boys."Each of them admits to having hit the victim," prosecutor Fabrice Belargent said on Friday, adding the oldest of the three would remain in temporary detention. The 13 year old victim was attacked because Samara posted a picture of the attacker with an insult on social media, according to fellow student.Looking at the growing number of physical assault cases in the country, President macron said, "We have a form of uninhibited violence among our teenagers and sometimes among increasingly younger ones."

"Schools need to be shielded from this," he said, adding they should "remain a sanctuary for our children, for their families, for our teachers... We will be intransigent against all forms of violence," he added.

Maldives thanks India for allowing limited essential exports amid tensions

world. Maldivian Foreign Minister Moosa Zameer on Saturday thanked India for its decision to increase the export of essential supplies to the island nation for the fiscal year 2024-25, despite diplomatic tensions between both countries.In a post on X, Zameer said the gesture signified a "longstanding friendship" and a strong commitment to expanding bilateral trade between India and the Maldives."I sincerely thank EAM @DrSJaishankar and the Government of India for the renewal of the quota to enable Maldives to import essential commodities from India during the years 2024 and 2025," he wrote."This is truly a gesture which signifies the longstanding friendship, and the strong commitment to further expand bilateral trade and commerce between our two countries," he said.

The Indian government lifted the restriction on the export of essential items to the Maldives despite growing tensions, underscoring its 'Neighbourhood First' policy. This decision comes against the backdrop of rising geopolitical tensions in the Indian Ocean region, particularly concerning China's growing influence and the 'India Out' campaign led by the Mohamed Muizzu administration in

the Maldives.A statement released by the Indian High Commission in the Maldives detailing the Centre's decision to increase the export of crucial goods said, "Upon the request of the Government of Maldives, the Government of India has allowed for export of certain quantities of essential commodities for the year 2024-25 under a unique bilateral mechanism, wherein, the quotas for each of these items have been revised upwards. The approved quantities are the highest since this arrangement came into effect in 1981."Responding to Zameer's tweet, External Affairs S Jaishankar said India stood firmly committed to its 'Neighbourhood First' and SAGAR (Security and Growth for All in the Region) policies.

"You are welcome FM @MoosaZameer. India stands firmly committed to its Neighbourhood First and SAGAR policies," he wrote on X on Saturday.The revised export quotas mark a notable increase in the supply of critical commodities such as river sand and stone aggregates — which are vital for the Maldives' construction sector — by 25 per cent to 10 lakh metric tonnes. Additionally, there's a 5 per cent increase in the export limits for essential food items like eggs, potatoes, onions, sugar, rice, wheat flour and pulses.The move also comes amid a diplomatic row which began after three Maldivian ministers were suspended for their derogatory remarks against Prime Minister Narendra Modi when he posted pictures of his visit to Lakshadweep and promoted it as a tourist destination.

New Jersey earthquake strongest in over 240 years, 11 aftershocks follow

World As many as 11 aftershocks jolted parts of New York City and surrounding areas after the region was rattled by a magnitude 4.8 earthquake on Friday, shaking buildings up and down the East Coast and surprising residents in an area that rarely experiences notable seismic activity.

According to the United States Geological Survey (USGS), the 4.8 magnitude earthquake was the third-largest earthquake recorded in the area in the last five decades and the strongest in New Jersey in more than 240 years.The initial tremor was felt just after 10.20 am (US local time), at a depth of 4.7 kilometres (2.9 miles).An hour after the initial impact, a 2.0 aftershock struck west of Bedminster, New Jersey. At around 12.30 pm, there was a 1.8 magnitude aftershock, another 2.0 aftershock at 1.14 pm, and another 2.0 aftershock shortly before 3 pm, the USGS said.

Though no major damage was reported, engineering teams were inspecting roads and bridges.People from Baltimore to Boston reported feeling rumbling and shaking, with some running outside to try to detect the source.

A video shared by EarthCam on X showed the moment the 4.8-magnitude earthquake struck New Jersey and surrounding states.Addressing a news conference post the tremors, New York Governor Kathy Hochul said, "This is one of the largest earthquakes on the East Coast in the last century."Later, James Pittinger, mayor of Lebanon, New Jersey, termed the earthquake a "crazy experience" and said, "I was sitting in my home office when things started to fall off the walls and shelves."Charita Walcott, a 38-year-old resident in the Bronx borough of New York, told CNN the quake felt "like a violent rumble that lasted about 30 seconds or so. It was kind of like being in a drum circle, that vibration."

At the United Nations in midtown Manhattan, the Save the Children CEO abruptly stopped addressing the Security Council on the Israel-Gaza conflict as cameras began shuddering.

"You're making the ground shake," Palestinian UN envoy Riyad Mansour quipped.Flights were held at area airports in the aftermath of the earthquake but had resumed by 12.30 pm, according to the Federal Aviation Administration (FAA).WHY WAS THE EARTHQUAKE RARE?

Earthquakes in the eastern US are felt across a far broader area because the bedrock is much older and harder, transferring seismic energy more easily, according to the USGS.

The rocks in the western US are younger and contain more faults that absorb earthquake energy.Friday's tremor was the largest felt in the city since a 5.8-magnitude earthquake in 2011 in Virginia prompted evacuations of City Hall and other buildings, thus causing damage in Washington.The quake comes just a few months after the USGS warned nearly 75 per cent of the United States could face damaging quakes in the next 100 years.

New York to pay $17.5 million for forcing women to remove hijabs for mugshots

New York. New York City agreed to pay $17.5 million to settle a lawsuit by two Muslim-American women who said the police violated their rights after arresting them by forcing them to remove their hijabs before being photographed.The preliminary class action settlement covers men and women required to remove religious attire before being photographed. It was filed on Friday (local time) in Manhattan federal court and required approval by US District Judge Analisa Torres.Payouts will total about $13.1 million after legal fees and costs are deducted, and could increase if enough of the more than 3,600 eligible class members submit claims. Each recipient will be paid between $7,824 and $13,125.The settlement resolves a lawsuit filed in 2018 by Jamilla Clark and Arwa Aziz, who said they felt

shame and trauma when police forced them to remove their hijabs for their mugshots the prior year in Manhattan and Brooklyn, respectively.Both had been arrested for violating orders of protection that they called bogus. Their lawyers likened removing the hijabs to being strip-searched."When they forced me to take off my hijab, I felt as if I were naked," Clark said in a statement provided by her lawyers. "I'm not sure if words can capture how exposed and violated I felt."In response to the lawsuit, New York's police department agreed in 2020 to let men and women wear head coverings during mugshots, so long as their faces could be seen.

"This settlement resulted in a positive reform for the NYPD," said Nicholas Paolucci, a spokesman for the city's law department. "The agreement carefully balances the department's respect for firmly held religious beliefs with the important law enforcement need to take arrest photos."The new policy extended to other religious headwear, including wigs and yarmulkes worn by Jews and turbans worn by Sikhs.

Joe Biden visits Baltimore bridge collapse site, meets families of victims

Dundalk. President Joe Biden got a firsthand look Friday at efforts to clear away the "mangled mess" of remains of the collapsed Francis Scott Key Bridge in Baltimore, as cranes, ships and diving crews work to reopen one of the nation's main shipping lanes.

Aboard Marine One, circling the warped metal remains and the mass of construction and salvage equipment trying to clear the wreckage of last week's collapse, which killed six workers, Biden got an up-close view of the devastation.

On the ground later, he received a briefing from local officials, the US Coast Guard and Army Corps of Engineers on the situation in the water and its impact on the region. The President also greeted police officers who helped block traffic to the bridge in the moments before it was hit by a ship — which helped avert an even larger loss of life."I'm here to say your nation has your back and I mean it," Biden said from the shoreline overlooking the collapsed bridge in Dundalk, just outside Baltimore. "Your nation has your back."Eight workers — immigrants from Mexico, Guatemala, Honduras and El Salvador — were filling potholes on the bridge when it was hit by a huge cargo ship and collapsed in the middle of the night of March 26. Two men were rescued and the bodies of two others were recovered in subsequent days.Authorities announced Friday evening that salvage divers had recovered, in the hours before Biden arrived, a third body from the water, that of Maynor Yasir Suazo-Sandoval, 38, one of the missing workers. They said the search for the other victims will continue.The President also met for more than an hour with the families of those killed."The damage is devastating and our hearts are still breaking," Biden said.Officials have established a temporary, alternate channel for vessels involved in clearing debris. The Army Corps of Engineers hopes to open a limited-access channel for barge container ships and some vessels moving cars and farm equipment by the end of this month, and to restore normal capacity to Baltimore's port by May 31, the White House says.

That's important since longer delays in reopening shipping lanes could send shockwaves through the economy. As much as $200 million in cargo normally moves through Baltimore's port per day, and it is the leading hub for importing and exporting vehicles.More than 50 salvage divers and 12 cranes are on site to help cut out sections of the bridge and remove them from the key waterway. Officials told Biden they had all the resources they needed to meet the targets for opening the channel into the Baltimore port.The President announced that some of the largest employers affected by the collapse, including Amazon, Home Depot and Domino Sugar, have committed to keeping their employees on payroll until the port is reopened. That followed days of outreach by state and federal officials to try to mitigate the economic impact.

"From the air, I saw the bridge that has been ripped apart," Biden said, "but here on the ground, I see a community that's pulled together."It is still unclear, though, how the costs of cleanup and building a new bridge will be covered.The Federal Highway Administration has provided $60 million in "quick release" emergency relief funds to get started. Exactly how much the collapse will ultimately cost is unclear, though some experts estimate recovery will take at least $400 million and 18 months.Biden said within hours of the collapse that "the federal government will pay for the entire cost of reconstructing that bridge, and I expect the Congress to support my effort."

Senate Republican Leader Mitch McConnell likened the bridge collapse to assistance that flows after natural disasters and said "The federal government will step up and do the lion's share" of funding. But the authorisation could cause some squabbles in Congress.

NEWS BOX

IPL 2024: Yuzvendra Chahal wants to dismiss 'GOAT' Virat Kohli early in RR vs RCB

Jaipur. Rajasthan spinner Yuzvendra Chahal feels that dismissing Virat Kohli early will put RCB under a heap of pressure in their upcoming clash in the Indian Premier League. Speaking in the pre-match press conference, Chahal was asked about the team's plans against the legendary India batter, and the spinner had some high praise about his former RCB teammate. Chahal called Virat Kohli as the greatest batter of all time and said that Kohli's wicket will have RCB reeling under pressure.Rajasthan play Bengaluru in their third home game of the season. RR have won three back to back games in the tournament and a fourth win will see them go to the top of the IPL 2024 points table. Rajasthan have impressed with both bat and ball so far. Trent Boult, Nandre Burger and Riyan Parag are some of the players from Rajasthan who have impressed massively so far and are expected to do well

in the match against RCB.

"In the match, RCB will be under pressure if we can get the greatest ever Virat Kohli out early," Chahal said in the pre-match press conference.Asked about the trend of home fans supporting away teams due to the presence of legendary figures like MS Dhoni and Virat Kohli, Chahal said that the players had garnered that respect due to their years of service. Chahal stressed that fans buy their own tickets and had the right to show love to whoever they wanted.

"Virat Kohli, MS Dhoni, Rohit Sharma, they are big players and they attract support from all stadiums. The fans buy their own tickets, we don't give them," Chahal said on fans' mentality of supporting away players in home games.Bengaluru on the other hand, have not had a good time in the Indian Premier League so far. The Faf du Plessis-led franchise have lost three out of their first four game and totter at the No. 8 position in the points table. Barring Virat Kohli, Dinesh Karthik, Anuj Rawat and Mahipal Lomror, the RCB batting unit has not quite clicked yet and the bowling attack has also been criticised for their lack of firepower.

RR and RCB will play their match at the Sawai Mansingh Stadium in Jaipur on April 6.

Pat Cummins is a bit like MS Dhoni: Tom Moody hails SRH skipper after CSK demolition

New Delhi, Tom Moody heaped praise on Pat Cummins after SRH beat CSK by 6 wickets on Friday, April 5 in the Indian Premier League (IPL) 2024 match at the Rajiv Gandhi International Stadium. With the win, Hyderabad moved to fifth in the table with 4 points and a net run rate of +0.409 thanks to wins in both their home matches. SRH delivered another batting masterclass in front of their home crowd, which blew away the CSK bowling attack.Moody said that Cummins tries to go away from the conventional moves and chips in tactics, which one may not think in the first place. Prior to IPL 2024, Cummins had no experience of captaining a T20 team across any level. But as per Moody, the Australian Test and ODI skipper has found a way to shine in the shortest format as well.

'It was quite an odd decision'

After the Sunrisers opted to bowl first, Cummins handed the ball to Abhishek Sharma instead of veteran Bhuvneshwar Kumar, who is known to swing the ball both ways. On the very strategy, Moody said that

Cummins thinks outside of the box as a captain."The one thing I like about Cummins is he is a bit like MS Dhoni. He is prepared to make a decision that most people don't think about, but makes you feel like 'Why didn't I think about that?' Like the Abhishek Sharma over. It was quite an odd decision when you look at the other options they could have gone with," Moody told ESPNcricinfo.You have arguably the best new ball bowler in IPL history in Bhuvneshwar Kumar. You have got an off spinner against left-handers. You think Markram would be another one. There was plenty of other ways he could have gone. But he committed to that and it looked like from the get go, he convinced himself that it was the right decision," he added.

SRH vs CSK: Report

The Sunrisers will lock horns with Punjab Kings (PBKS) on Tuesday, April 9 at the Maharaja Yadavindra Singh International Cricket Stadium at Mullanpur, Chandigarh.

'Was it to keep Dhoni indoors': Former India batter after Cummins withdrew 'obstructing the field' appeal against Jadeja

NEW DELHI. Sunrisers Hyderabad skipper Pat Cummins withdrew an appeal for obstructing the field against Chennai Super Kings' Ravindra Jadeja in a dramatic turn of events during the Indian Premier League match at Rajiv Gandhi International Stadium in Hyderabad on Friday, sparking a debate among cricket pundits.

The incident happened in the 19th over of the CSK innings, when SRH pacer Bhuvneshwar Kumar bowled a yorker to Jadeja, who jammed it out towards the bowler. With Jadeja well outside his crease after playing the delivery, Bhuvi threw the ball back towards the stumps and it hit Jadeja on the back.Jadeja was looking like trying to get out of the way of the throw, rather than getting in the way to obstruct it. But the on-field umpires decided to refer it upstairs. SRH captain Cummins then came forward and withdrew the appeal.Sent in to bat first, CSK struggled to set a formidable total, managing only 165/5 in their 20 overs. Shivam Dube's brisk 45 off 24 balls and Ajinkya Rahane's 35 off 30 balls were the main contributions, but the team faltered in the final five overs, adding just 37 runs.

Former Indian cricketer Mohammad Kaif raised questions about Cummins' decision, stating, "Two questions to Pat Cummins on withdrawing the obstructing the field appeal against Jadeja. Was it a tactical call to let a struggling Jadeja be at the crease and keep Dhoni indoors? Would he have done the same if it was Virat Kohli at World T20?"

Despite the debate, Jadeja played a handy knock, remaining unbeaten with 31 off 23 balls, but the total was not competitive enough in the end.

In response to CSK's total, SRH openers had a flying start to their chase, adding 46 runs in just 2.4 overs. Abhishek Sharma was brutal against the CSK's new ball bowlers and scored a whirlwind 37 off 12 balls, hitting four sixes and three fours in his short stay.

After the initial onslaught, Aiden Markram (50 off 36) and Travis Head (31 off 24) added 60 runs for the second wicket to put SRH on course of the run chase. The hosts then completed the chase with 11 balls to spare and registered a commanding six wickets victory.With two wins from four games, SRH jumped to fifth in the IPL standings, whereas CSK, who also have a similar record of two wins in four games, remain at third spot.

MS Dhoni showered with love in Hyderabad: SRH stars Klaasen, Markram pay tribute

- MS Dhoni was showered with love from the crowd during the SRH vs CSK clash on April 5. 'Dhoni, Dhoni' chants echoed throughout the stadium on Friday, as SRH stars Heinrich Klaasen, Aiden Markram and Jaydev Unadkat paid their tribute to the CSK

New Delhi, CSK star MS Dhoni was showered with love during the clash against SRH in Hyderabad, with the fans in the stadium showing their appreciation for the legendary wicketkeeper-batter throughout the game. Dhoni didn't have a lot to do with the bat on the day as he came in late on in the innings, but his presence was enough to get the fans up on their feet and chanting his name.

The support from the Hyderabad crowd towards Dhoni even left the SRH skipper Pat Cummins stunned as he had revealed during the post-match presentation. IPL has now released a video on their official X account, which captured the best moments of the CSK star in Hyderabad. The crowd reaction of him stepping into bat was incredible as the whole stadium started to echo with "Dhoni, Dhoni" chants.SRH stars Heinrich Klaasen, Aiden Markram and Jaydev Unadkat would pay their tributes to Dhoni in the video. Klaasen said he had no doubt the CSK star will go down as a legend of the sport, while Markram said that he had still got it."He is going down as a legend. Especially in this country, as well," said Klaasen.

"Yeah, he's still got it. He is still the legend," said Markram.Unadkat said that everyone is a fan of Dhoni and he has got a great aura behind him."There is no point denying the fact that everyone is a MS Dhoni fan. He has got aura behind him," said Unadkat.How has MS Dhoni performed in the IPL so far?

After handing over the captaincy of CSK to Ruturaj Gaikwad, Dhoni has been more focused on his work behind the stumps and has pulled off some great efforts from the very start of the tournament. His batting role has been limited so far, but Dhoni pulled off a blinder in the loss to DC, scoring 37 off 16 balls.On Friday, he faced just one ball as SRH would win the match by 6 wickets. Dhoni and CSK will next be in action against KKR on April 8.

SRH vs CSK: Mentor Yuvraj calls out Abhishek Sharma's 'bad shot' in hilarious tweet

New Delhi, SRH star Abhishek Sharma's mentor and Indian cricket legend Yuvraj Singh wasn't particularly happy with the opener's shot selection after he got out against CSK on April 5, Friday in Hyderabad and pointed it out with a hilarious tweet. Abhishek, who played a superb knock of 37 from 12 balls, would set up the chase for his side against the defending champions and looked set for a big score on the night. However, he was caught in the deep by a fine effort from Ravindra Jadeja.

SRH would end up winning the match by 6 wickets in the end with Abhishek being adjudged as the Player Of The Match. The SRH opener would pay a tribute to Yuvraj during the post-match presentation.

"Big scores matter, but I went with the flow today. Hopefully, I will get out last next time. It is all the hard work I have put before this. Special thanks to my dad, Yuvi paaji and Brian Lara," Abhishek said.Yuvraj would seemingly respond to this and say he was right behind the youngster. But the all-rounder did make it

clear he wasn't pleased with Abhishek's shot selection at the end of the day.

In a tweet, Yuvraj posted a GIF that showed a man chasing another person in a hilarious fashion."I'm right behind you boy â€œwell played again - but bad shot to get out on @IamAbhiSharma4," said Yuvraj Singh.

How well did Abhishek perform against CSK?

Following CSK's competitive total of 165 for 5, Abhishek, alongside Travis Head, gave SRH a blazing start. Their partnership quickly amassed 46 runs in just 2.3 overs, with the Punjab batter taking the lead in this aggressive pursuit. His most remarkable moment came when he faced Mukesh Choudhary, against whom he unleashed a torrent of runs, scoring 27 in a single over through a combination of three sixes and two boundaries.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings

SRH moved to fifth in the IPL points table with the win and will now face PBKS in their next match on

CSK coach Stephen Fleming rues missing Mustafizur, Pathirana in SRH loss: Part of IPL

- CSK coach Stephen Fleming admitted that his side missed the services of both Mustafizur Rahman and Matheesha Pathirana during their loss to SRH on April 5, Friday in Hyderabad. Chennai were notably light in the bowling front with the duo missing out.

New Delhi, CSK coach Stephen Fleming rued the fact his side were missing the services of Mustafizur Rahman and Matheesha Pathirana for their match against SRH, but admitted that it was part of the IPL process. CSK were handed their second consecutive loss in Hyderabad after the home side made quick work of the chase of 166, thanks to a whirlwind knock by Abhishek Sharma at the start.

A fifty from Aiden Markram and 31 from Travis Head set up the 6-wicket win in the end. However, CSK were notably a bit light on the bowling front on Friday with Mustafizur back home in Bangladesh due to visa issues and Pathirana having a niggle. Speaking at the press conference after the match, Fleming said that there was no doubt that Mustafizur was a big miss. The CSK coach also said that Mukesh Choudhary, who was making his IPL return, didn't have the best of days after conceding 27 in his only over."Without a doubt, it's It's part of the IPL. He's not here, so we can't use him. But having injuries and losing players in an IPL is part of the process.""We had a chance to introduce Mukesh Chaudhary today. He was good for us a while back. It wasn't his day. But that's part of the IPL It's managing players, and when you do find yourself a little bit short on firepower, it's finding the new hero," said Fleming.We were maybe 15 runs short in the end: FlemingFleming also felt that his side were 15 runs short in the end and weren't accurate enough in the powerplay overs."And, it didn't happen today, but we put trust in the players that we introduced and they've been training well and doing the job. Tough baptism. The first five or six overs were the best to bat, and the aggressive way in which they played showed that. So, being able to get a wicket first over and maybe shut down the second, it could have been a competitive score, but maybe 15 short and, not quite accurate enough for first six overs with the ball," said Fleming.Mustafizur is second in the Purple Cap standings at the moment with 7 wickets, while Pathirana has 4 wickets to his name from 2 matches.

IPL 2024: Abhishek Sharma's innings key for SRH to win vs CSK, says Irfan Pathan

New Delhi Former India cricketer, Irfan Pathan credited Abhishek Sharma for his blazing knock which propelled SRH to an emphatic win by 6 wickets against CSK at the Rajiv Gandhi International Stadium, Hyderabad on April 5, Friday. Abhishek played a blistering knock of 37 runs from 12 balls that had a crucial role in SRH registering their 2nd win of the season. He was also adjudged as the Player of the Match for his quick fire innings.SRH bounced back from their defeat to GT in Ahmedabad as they won their 2nd match at their home ground. Pathan, while speaking on Star Sports, lauded Abhishek for his impactful knock and mentioned that it could have been a difficult chase for SRH, had it not been for the young batter. Abhishek boasted the best batting strike rate in IPL 2024 so far, with 217.56.Abhishek Sharma's innings of 37 runs was of a big impact," Pathan said on Star Sports.

"If that inning would not have come with such a solid strike rate, in the end, it would have been a bit tighter than what it was, because there was a phase around the 15th and the 16th over, where SRH were panicking unnecessarily," Pathan added.

HOW ABHISHEK'S KNOCK WAS CRUCIAL IN SRH'S WIN?

Abhishek provided SRH a flying start as he started hammering the ball from the word go. He took the CSK bowlers for cleaners on a sluggish pitch. SRH came blazing in the power play as they raced away in the chase by scoring 79 runs in the first 6 overs itself.

After Maheesh Theekshana broke the 60-run stand between Travis Head and Aiden Markram, CSK tried to pull things back courtesy of a fine spell by Moeen Ali in the middle overs. However, it turned out to be too late as SRH needed only a run-a-ball. Despite a big dip in their scoring rate, SRH managed a comfortable win with 11 balls to spare.Pathan pointed out the SRH panicked unnecessarily during the middle of the chase."They didn't need to send Shahbaz Ahmed on top, they didn't need to play those big shots. It was well under 6 runs per over, it was an easy chase. But then Abhishek Sharma's innings in the end was so crucial. He is playing more than a strike rate of 200 for a youngster, that is outstanding," said Pathan.

Taapsee Pannu

Flaunts Her Hot Curves in Plunging Bralette, Check Out Her Hot Photos

Taapsee Pannu is setting Instagram on fire and how! The actress took to her social media handle and shared a photo from her recent sexy photoshoot. In the photos, Taapsee was seen wearing a white corset top with a plunging neckline, flaunting her curves. The actress teamed up the corset with a pair of black pants, adding the needed oomph to the already hot look.Taapsee was seen sitting on the floor and posing against a couch. He tied her glorious curls in a neat bun and wore statement diamond and ruby jewellery to elevate her look. Taapsee wore black heels and painted her nails red to finish off the look. As Taapsee gave a sultry expression to the camera, her photo left her fans gasping for breath.

Taapsee Pannu recently got married to her long-time boyfriend Mathias Boe in an intimate ceremony. News18 Showsha was the first to report this. Later, a video of Taapsee making her bridal entry went viral across social media. As per our report, the wedding took place at the end of March 2024. In the video which went viral, Taapsee could be seen making her bridal entry with her bridesmaids. She looked radiant in a red suit with gold detailing and danced her way to the mandap. She then joined Mathias on the mandap and greeted him with a warm hug.Taapsee Pannu and Danish badminton coach Mathias Boe met at the inaugural Indian Badminton League in 2013. Love blossomed between the two and soon the families met. While Taapsee largely managed to keep details about her love life under wraps, she once stated in an interview that they began chatting on X (formerly Twitter) and then proceeded to meet one another.

Alia Bhatt

Teams Up With Gurinder Chadha For Disney's Indian Princess Musical

Alia Bhatt has been on a roll with back to back commercial as well as critical success. From Gangubai Kathiawad to Darlings, Brahmastra to Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani, the actress has also managed to create a space for herself amid the international audience with 'Heart Of Stone'. The actress who is also enjoying motherhood with her daughter Raha might have scored her second international project, an Indian princess musical with Disney that will be helmed by Gurinder Chadha.Renowned filmmaker Gurinder Chadha, known for her directorial successes like Bend It Like Beckham and Bride and Prejudice, is currently immersed in the creation of a musical film centered around an Indian princess, a project in collaboration with Disney. Recent revelations have come to light regarding the primary cast members of this highly anticipated cinematic endeavor. As per a recent report from Mid-Day, Gurinder Chadha has been engaged in ongoing discussions with Alia Bhatt regarding a role in this project. A source from the portal revealed, "The two have been in talks for a while. The final casting will happen only after the script is developed, but Alia is among the top casting choices.The source from the portal also noted that leading an exciting international project like this would signify a major step for Alia in cementing her position on a global scale, especially following her debut in Hollywood with Heart of Stone last year. Should these plans come to fruition, Alia is said to kick off work with Chadha in the latter half of 2025.In 2022, Deadline had announced that Disney had given the green light to an original musical inspired by a 'dynamic princess from Indian history.' The screenplay for this project will be crafted by Gurinder Chadha and Paul Mayeda Berges, with Chadha also taking on the roles of director and producer. However, details regarding the storyline are currently undisclosed.

On the work front, Alia is preparing for the upcoming release of the action thriller 'Jigra,' directed by Vasan Bala and co-produced by Alia's Eternal Sunshine Productions and Karan Johar's Dharma Productions. This film, centered around a sibling relationship, features The Archies actor Vedang Raina.Furthermore, Alia is set to commence filming for a standalone project within Aditya Chopra's spy universe. Additionally, she will collaborate once again with her director from Gangubai Kathiawadi, Sanjay Leela Bhansali, for the grand saga Love & War, sharing the screen with her husband Ranbir Kapoor and Katrina Kaif, Vicky Kaushal.

Guess This Actress From Her Childhood Pic With Her Father

It has recently been a trend for childhood photos of many celebrities to end up online and then the guessing game begins as fans are asked to identify them. One such photo of a celebrity as a toddler with her father is going viral at present. It was shared by the actress herself on her Instagram Stories on the occasion of her father's birthday. Can you recognise the actress?Let us tell you that she is one of the top actresses in the South industry. After primarily appearing in Tamil films, she made her Hindi debut in a Shah Rukh Khan film last year. If that is not a dead giveaway as of yet, she is also called the Lady Superstar of the South, You must have guessed it by now. The baby in the picture is none other than Nayanthara.Nayanthara, known for her commitment to her profession and her privacy preference, caused a stir recently by making an unexpected debut on social media. This unforeseen step occurred shortly before the release of her Bollywood debut, Jawan.

Nayanthara recently shared a rare childhood photo of herself with her father, which touched many of her fans' hearts and attracted attention. She expressed her love for her father, calling him her hero, in a touching caption that went along with it.According to reports, Nayanthara's assets are worth around Rs 183 crore. She has luxurious buildings in places like Hyderabad, Chennai and Kerala. She is also the only lead actress who owns her private jet. Apart from acting, she earns money through brand endorsements, film productions, promotions on social media, and investments in skincare brand 9Skin. She is one of the richest actresses in the South industry. She fell in love with director Vignesh Sivan and got married to him in a grand affair in 2022.While her fans were accustomed to her reserved nature off-screen, Nayanthara's sudden online presence, where she shared glimpses of her personal life, pleasantly surprised many.

Sonakshi Sinha 'Can't Stop Smiling' As Her Heeramandi Song Tilasmi Bahein Is Out

Sonakshi Sinha has a little confession to make. The actress "can't stop smiling". After all, her "first Bhansali song", Tilasmi Bahein from Heeramandi: The Diamond Bazaar is finally out and it is pure gold. Just a day after the release of Tilasmi Bahein, Sonakshi Sinha dropped a series of pictures of herself, while expressing gratitude in the caption.The stunning click shows the actress dressed in a purple sharara set, which she wore during the song launch event on Wednesday. The beautiful ensemble boasts an overall tie-dye print and she teamed it with an oxidised jewellery set. Sharing the pictures, Sonakshi wrote, "Can't stop smiling with all the coming in for Tilasmi Bahein… grateful."

Before this, Sonakshi Sinha dropped a montage video, showing glimpses of the Tilasmi Bahein launch event. In the clip, the actress can be seen getting dressed for the event. The video also shows the actress excitedly saying "My first Bhansali song guys," with the crowd bursting into cheers and hooting. Along with the clip, the actress wrote, "The BIG launch!! My first Bhansali Production song is out… Tilasmi Bahein aap sab ke shukraguzaar hai…Special props to my fabulous team who make sure I shine on and off screen. Teamwork makes the dream work."Tilasmi Bahein is the second song of Sanjay Leela Bhansali's Heeramandi: The Diamond Bazaar. Last month, the makers unveiled the series' first track Sakal Ban. Tilasmi Bahein features Sonakshi Sinha, draped in a gleaming gold saree, dancing her heart out. The music video of Tilasmi Bahein shows Sonakshi Sinha as the life of a party and she is surrounded by a sea of people. The text on the music video reads "Get ready for the spell of Tilasmi Bahein." The clip ends with a glimpse of Aditi Rao Hydari, who appears to be visibly disappointed with Sonakshi Sinha. Tilasmi Bahein is composed by Sanjay Leela Bhansali, while it is crooned by Sharmistha Chatterjee.